



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 301]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 22, 2016/भाद्र 31, 1938

No. 301]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 2016/BHADRA 31, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 2016

अंतिम जाँच परिणाम

**विषय :** चीन जन. गण. और चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नैरो बोवेन फेब्रिक के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की दूसरी निर्णायक समीक्षा

**संख्या 15/14/2015-डीजीएडी.**—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. यतः उक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 9 जून, 2004 को चीन जन. गण. और चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नैरो बोवेन फेब्रिक के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जाँच की शुरुआत की थी और प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जाँच परिणाम 10 जनवरी, 2005 को जारी किए गए थे। अनंतिम शुल्क 14 फरवरी, 2005 को लगाया गया था। प्राधिकारी ने 7 जून, 2005 को अपने अंतिम जाँच परिणाम जारी किए जिनमें निश्चयात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश की गई और 25 जुलाई, 2005 की सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा शुल्क लगाया गया था।

2. तत्पश्चात प्राधिकारी ने इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या यदि पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है और क्या पाटनरोधी शुल्क

की अवधि को आगे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है, 20 अगस्त, 2009 को निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरूआत की। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 19 अगस्त, 2009 की अधिसूचना संख्या 15/9/2009-डीजीएडी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम जारी किए और केन्द्र सरकार द्वारा 6 अक्टूबर, 2010 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 108/2010 द्वारा आगामी पाँच वर्ष की अवधि के लिए शुल्क की अवधि बढ़ाई गई थी। शुल्क की अवधि 5 अक्टूबर, 2015 में समाप्त होगी।

3. उक्त शुल्क की अवधि समाप्त होने से पहले मै. इशी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2010 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 108/2010 द्वारा उक्त देशों से उक्त वस्तु के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा की शुरूआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया। याचिकाकर्ताओं ने चीन जन. गण. और चीनी ताइपेई (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित उक्त वस्तु के पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का आरोप लगाया है और आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने और उसे बढ़ाने के लिए समीक्षा करने का अनुरोध किया है।

4. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2015 की अधिसूचना सं. 15/14/2015-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरूआत की ताकि इस बात की जाँच की जा सके कि क्या उक्त देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित उक्त वस्तु के आयात पर उक्त शुल्क की अवधि समाप्त होने से पाटन जारी रहेगा या उसकी पुनरावृत्ति होगी और घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहेगी या उसकी पुनरावृत्ति होगी। राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर, 2015 की अधिसूचना सं. 52/2015-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा शुल्क की अवधि को 5 अक्टूबर, 2016 तक बढ़ाया गया था।

#### ख. प्रक्रिया

5. संबद्ध जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i. नियम 6(2) के अनुसार निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया गया।
- ii. प्राधिकारी ने संबंधित नियम 6(3) के अनुरूप संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को इस आवेदनों के अगोपनीय पाठ की प्रतियां उपलब्ध कराई थी। आवेदन अगोपनीय अंश की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई और अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दी गई।
- iii. प्राधिकारी ने नियम 6(2) एवं 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात विनिर्माताओं/निर्यातकों (जिनके नाम और पते याचिकाकर्ता द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए) को सार्वजनिक सूचना की प्रतियां भेजी और इस पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण रखने का उन्हें अवसर दिया:

#### चीन

1. ताइवान जिआनसिन वीविंग कंपनी लि.
2. झेजिआंग हांगमिंग वीनिंग रिबन कं.लि.
3. बइहे होल्लिंग कं. लि.
4. हांगझाउ सेनसिन टेक्सटाइल कं. लि.
5. वीवू हुआलि विविंग कंपनी
6. एफ एंड टी नैरो फेब्रिक कं. लि.
7. शेनझेन हांगसेनसिन टेक्सटाइल कं. लि.

**ताइवान**

1. ताइवान पाइहो लि.
2. ताइवान स्पेशल टेप कं.
3. लवटैक्स इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन
4. ताइवान जोका कार्प
5. चिको टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज कं. लि.
6. नाम लिऑंग एंटरप्राइज कं.लि.
7. हुआ ताइ स्पेशल वेबिंग्स कं. लि.

iv. चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था होने के कारण, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) संबंधी प्रश्नावली चीन जन. गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत स्थित चीन जन. गण. के दूतावास को भी भेजी गई थी जिसमें विहित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया गया। यद्यपि जाँच शुरूआत के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को विधिवत रूप से समायोजित करके किया गया है तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को सूचित किया है कि उन्होंने आवेदक के दावे की यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 और पैरा 8 के आलोक में जाँच का प्रस्ताव किया है। अंतः चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से ऊपर दिए गए अनुबंध I के पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि चीन जन. गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार प्रदान किया जा सकता है।

v. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

vi. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं (जिनके नाम एवं पते आवेदकों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रतियाँ अग्रेषित की तथा उन्हें सलाह दी कि नियम 6(4) के अनुरूप इस पत्र के जारी होने की तिथि से चालीस (40) दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत करायें:

- i. अंबातूर क्लोथिंग लि.
- ii. आटोलिव आईएफवी इंडिया लि.
- iii. हिंडच ओवरसीज लि.
- iv. जय एक्सपो
- v. एस एम अपेरेल्स प्रा. लि.
- vi. सन एंड स्काइ एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.
- vii. आसार ग्लोबल
- viii. जवाहर लाल फूल चंद
- ix. भवन गारमेंट्स
- x. शिर्डी एक्सपोर्ट्स
- xi. कांटेनैटल पेंस

- xii. एस आर एस सूट्स
  - xiii. गिरिया एंटरप्राइजेस प्रा. लि.
  - xiv. इंटरनेशनल टेक्सटाइल्स
  - xv. बालू एक्सपो
  - xvi. डी. जी. एंटरप्राइजेज
  - xvii. पैरामाउंट गारमेंट्स एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.
  - xviii. परमा इंटरनेशनल
  - xix. फैशन क्रिएशंस
  - xx. शिव शक्ति इम्पैक्स
  - xxi. कंट्री क्राफ्ट
  - xxii. गगन इंटरनेशनल एसोसिएट्स
  - xxiii. शिखर एंटरप्राइजेज
  - xxiv. नियाज अपरेल
  - xxv. दीवानचंद एंड कं.
  - xxvi. राजधानी सेल्स कार्पोरेशन
  - xxvii. स्काई इंडस्ट्रीज
  - xxviii. कार्बन लैब्स
- vii. प्राधिकारी ने इस जाँच से संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के अन्य ज्ञात उत्पादकों को भी लिखा। निम्नलिखित उत्पादकों ने उनके घरेलू उत्पादन और बिक्री के आकड़े उपलब्ध कराए:
- क. मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि.
  - ख. मै. सिद्धार्थ फिलामेंट्स प्रा. लि.
  - ग. मै. मैजिक फास्टेनर्स लि.
  - घ. मै. गजानंद इलास्टिक लेस वर्क्स
- viii. मै. मैजिक फास्टेनर्स ने याचिका का समर्थन किया है। मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. मूल और पहली निर्णायक समीक्षा जाँच में याचिकाकर्ता था। तथापि, उन्होंने प्राधिकारी को सूचित किया है कि वे कतिपय श्रमिक संबंधी मुद्दों के कारण अब संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं करते हैं परंतु उन्होंने वर्तमान याचिका का समर्थन किया है।
- ix. संबद्ध वस्तु के एक अन्य उत्पादक अर्थात् मै. सामराज ग्लोब ने निर्णायक समीक्षा का समर्थन करते हुए कतिपय अनुरोध किए हैं परंतु वह याचिकाकर्ता द्वारा तैयार वस्तुओं अर्थात् वेल्क्रो टेपों जो वर्तमान जाँच की विषय वस्तु है के विनिर्माण में प्रयुक्त मध्यवर्ती स्तर पर अप्रसंस्कृत नैरो वोवन फेब्रिक्स पर पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने की मांग विरोध करते हैं।
- x. संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक ने इस मामले में प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया है।
- xi. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2014 - मार्च, 2015 (12 महीनों) तक की है।

- तथापि, क्षति कि विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में 2011 - 2012, 2012 - 2013, 2013 - 2014 और जाँच अवधि शामिल रही है। इसके अलावा प्राधिकारिने पीओआई के आद के आकड़ों (अप्रैल-सितम्बर 2015) की भी संभावना आकलनके प्रयोजनार्थ प्रवृत्तियों के विश्लेषण में संभव सीमा तक जाँच की है।
- xii. जाँच अवधि और पिछले तीन वर्षों के लिए सौदावार आयात आकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त किये गये और इस जाँच में विश्लेषण के लिए उन पर भरोसा किया गया। घरेलू उद्योग ने उनसे प्राप्त सौदा-वार आकड़ों को प्रस्तुत किया है जिसे सार्वजनिक फोल्डर में रखा गया है।
- xiii. संबद्ध वस्तु से संबंधित ऐसे निर्यातक, उत्पादक, आयातक और अन्य पक्ष जिन्होंने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही इस जाँच से संगत सूचना प्रदान की है को इस जाँच में हितबद्ध पक्ष नहीं माना गया है।
- xiv. प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु रखी गई सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया।
- xv. प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार जाँच की है ताकि भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत ज्ञात की जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xvi. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 29 जुलाई, 2016 को आयोजित आम सुनवाई में अपना दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। सुनवाई में भाग लेने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने अनुरोध/खंडनों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें।
- xvii. इस जाँच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की जाँच इस जाँच परिणाम में की गई और उन पर ध्यान दिया गया है।
- xviii. जाँच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत सूचना, जो संभव सीमा तक इन जाँच परिणामों का आधार हैं, की सत्यता से स्वयं को संतुष्ट किया संगत और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग के परिसर में मौके पर सत्यापन भी किया गया।
- xix. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
- xx. नियमावली के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों से टिप्पणियों के लिए 12 सितम्बर, 2016 को एक प्रकटन विवरण जारी किया जिसमें मामले के सभी अनिवार्य तथ्य थे हितबद्ध पक्षों से प्राप्त टिप्पणियों पर उनके संगत होने की सीमा तक विचार किया गया और इस जाँच परिणाम अधिसूचना में उनका उचित ढंग से समाधान किया गया है।
- xxi. इस अंतिम जाँच परिणाम में “\*\*\*\*” किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।
- xxii. पीओआई के लिए विनियम दर प्राधिकारी द्वारा 61.69 रुपया = 1 अमरीकी डॉलर के रूप में लिया गया है।

### ग. विचाराधीन उत्पाद का दायरा और समान वस्तु

6. दिनांक 7 जून, 2005 की नैरो वोवेन फैब्रिक की मूल जाँच की अंतिम जाँच परिणामों में विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार वर्णित है:

*‘2. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद ‘मानव निर्मित फाइबर से निर्मित पाइल वीव वाला नैरो वोवेन फेब्रिक है, जिसका प्रयोग फास्टेनिंग टेप के रूप में किया जाता है’ (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। बाजार शब्दावली में संबद्ध वस्तु को*

अनेक पर्यायवाची जैसे 'हुक एंड लूप टेप फास्तेनर', 'वेलक्रो टेप्स', 'फास्तेनिंग टेप्स', 'फास्तेनर' आदि जाना जाता है। इस उत्पाद की विशिष्ट विशेषता 'पाइल वीव' है। संबद्ध वस्तु को पील मजबूती, शीयर मजबूती और लाइट फास्तेनेस के अनुसार वर्णित किया जाता है। हुक और लूप फास्तेनर आम तौर पर मानव-निर्मित फाइबर (यार्न) नाइलोन (नाइलोन 6 और नाइलोन 6,6) पालिएस्टर आदि से निर्मित होते हैं। विचाराधीन उत्पाद 12 मिमी. से 125 मिमी. की चौड़ाई के बीच विशिष्ट रूप से आकारों में उत्पादित होती है। इसके अलावा, यद्यपि उत्पाद को बाजार में उत्पाद की लम्बाई (मीटर में मापित) में बेचा जाता है और उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की लागत और कीमत चौड़ाई के अनुसार भिन्न होती है, तथापि भार में परिवर्तित होने पर यह लगभग समान हो जाते हैं। संबद्ध वस्तु के प्रमुख उपयोग परिधान उद्योग, शल्यचिकित्सा और आर्थोपेडिक उपकरण विनिर्माण, जूते और फुटवियर विनिर्माण, सामान/बैग विनिर्माण, खिलौना, आटोमोबाइल अपहोल्स्टरी और विभिन्न अन्य औद्योगिक खंडों जैसे उद्योगों में होता है। नैरो वोवेन फेब्रिक को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 580610 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। अनंतिम जॉच परिणामों के बाद, मै. कंट्रीक्राफ्ट आयातक ने प्राधिकारी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या जॉच केवल हुक और लुक टेप के संबंध में की गई है जबकि अधिसूचना में पूरे अध्याय का उल्लेख है। प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाटनरोधी जॉच केवल यथोक्त विचाराधीन उत्पाद (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के संबंध में की गई है और जैसा जॉचशुरूआत संबंधी अधिसूचना और प्रारंभिक जॉच परिणाम में उल्लेख है और तथापि सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जॉच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

7. निर्णायक समीक्षा जॉच होने के कारण वर्तमान जॉच में विचाराधीन उत्पाद मूल जॉच में परिभाषित उत्पाद के समान ही रहेगा। तथापि याचिकाकर्ता घरलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में कतिपय मुद्दे उठाये हैं जिनकी निम्नानुसार जॉच की गई है:

#### ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

8. याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद अनकट/अनफिनिशड रूप में संबद्ध वस्तु की भारी मात्राओं का संबद्ध देश से निर्यात किया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है

- कि विचाराधीन उत्पाद मानव निर्मित फाइबर से निर्मित पाइल वीव वाला नैरो वोवेन फेब्रिक है, जिसका प्रयोग फास्तेनिंग टेप के रूप में किया जाता है। बाजार शब्दावली में संबद्ध वस्तु को अनेक पर्यायवाची जैसे 'हुक एंड लूप टेप फास्तेनर', 'वेलक्रो टेप्स', 'फास्तेनिंग टेप्स', 'फास्तेनर' आदि जाना जाता है। इस उत्पाद की विशिष्ट विशेषता 'पाइल वीव' है।
- कि अनकट हुक एंड लूप टेप्स अधूरे/तैयार नहीं हुक और लूप के अलावा कुछ नहीं है जिनपर केवल तैयार नहीं करके छोड़े गये हुक की कटिंग के फिनिशिंग प्रचालन होते हैं और इसलिए वे विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा हैं। निर्यातक देशों में कटाई प्रचालनों को किए बिना वर्तमान में भारत में हुक एंड लूप टेप्स के भारी आयात हो रहे हैं। इसमें शामिल कार्यकलाप के स्तर को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क इन आयातों पर लगाया जाना चाहिए।
- कि ऐसे उत्पाद का आयात हो रहा है जिनमें चीन में हुक को काटने का कार्य नहीं किया गया है और उसे भारत के लिए छोड़ दिया गया है। टेप को मशीनों से गुजारा जाता है जिसे हुक कटिंग या स्लिटिंग मशीन के रूप में जाना जाता है। इन प्रचालनों में आने वाली लागत स्लिटिंग मशीन के लिए काफी कम निवेश लगता है। हुक कटाई की प्रक्रिया लगभग उत्पादन रहित प्रक्रिया है।
- कि (क) बाम्बे टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, (ख) ससमिरा (दि सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन) (ग) नार्थन इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन और (घ) लेबोरेट्रिज टेक्सटाइल समिति, वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि अनकट हुक और लूप टेप हुक और लूप टेप फास्तेनर के अलावा कुछ भी नहीं है।
- कि अनकट हुक को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया था। सीमाशुल्क प्राधिकारियों ने व्याख्या की है कि पाटनरोधी शुल्क ऐसे अनकट हुक पर लागू नहीं होता है और इसलिए पाटन काफी बदलकर अनकट हुक पर हो गया है।

- कि मूल जॉच के समय और यहां तक कि निर्णायक समीक्षा जॉच के समय भी अनकट रूप में पीयूसी के आयात नहीं होते थे। अनकट रूप में पीयूसी के आयात हाल की अवधि में ही शुरू हुए हैं।
- कि यदि अनकट हुक और लूप टेप वास्तव में हुक और लूप टेप फास्टनर होता है तो यह स्पष्ट है कि वह पीयूसी भी होगा। पीयूसी को 'प्रयोग के लिए तैयार' हुक और लूप टेप फास्टनर के रूप में परिभाषित नहीं किया है। चूंकि अनकट हुक एंड लूप टेप्स अधूरे/तैयार नहीं हुक और लूप के अलावा कुछ नहीं है जिनपर केवल तैयार नहीं करके छोड़े गये हुक की कटिंग के फिनिशिंग प्रचालन होते हैं इसलिए यह विचाराधीन उत्पाद है और प्राधिकारी को अपने जॉच परिणामों में इसे स्पष्ट करना चाहिए।
- कि विचाराधीन उत्पाद का स्पष्टीकरण विचाराधीन उत्पाद के दायरे के विस्तार से भिन्न है।

9. प्रकटन के बाद के अनुरोधों में याचिकाकर्ता ने अधिकांशतः विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में अपने तर्कों को दोहराया है और अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिये हैं:

- यद्यपि विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग फास्टेनिंग टेप के रूप में किया जाता है तथापि विचाराधीन उत्पाद के वर्णन को केवल प्रयोग के लिए तैयार टेप तक सीमित नहीं किया जा सकता है। विचाराधीन उत्पाद के दायरे को संकीर्ण विवरण नहीं दिया जाना चाहिए, जिससे पाटनरोधी शुल्क का प्रवंचन हो सकता है। विचाराधीन उत्पाद का दायरे को सर्वाधिक व्यापक स्पष्टीकरण दिया जाए ताकि पाटनरोधी शुल्क के प्रवंचन से बचा जा सके। पाटनरोधी शुल्क का प्रवंचन न तो भारत सरकार के हित में हैं और न ही घरेलू उद्योग और व्यापक रूप से जनता के हित में है।
- कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करना विचाराधीन उत्पाद के दायरे का विस्तार करने से अलग है। यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे को बड़ा नहीं सकते हैं तथापि वह विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट कर सकते हैं। तथापि याचिकाकर्ता ने केवल विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करने का अनुरोध किया है।
- प्राधिकारी ने माना है कि अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रशड नैरो वोवेन फेब्रिक्स के स्तर से प्रयोग के लिए तैयार फेब्रिक बनाने के लिए काफी प्रक्रियाओं की जरूरत होती है। उसके लिए कोई तथ्यात्मक आधार प्रतीत नहीं होता है।
- विभिन्न प्रकारों की आयात कीमत के बीच कीमत अंतर को वर्तमान प्रयोजन के लिए मापदंड के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है। कीमतों में विभिन्न उत्पाद किस्मों के पाटन की अलग-अलग मात्रा से प्रभाव पड़ सकता है। संगत मापदंड उत्पादन लागत में अंतर है।
- कि जब याचिकाकर्ता पूर्ण उत्पादन प्रक्रिया कर रहा है और जब प्रमुख परिवर्तन लागत फेब्रिक निर्माण में शामिल है तो यह असंभव है कि अन्य उत्पादक उसकी भारी लागत उठाए।
- कि यूएस ने यह मानने के लिए कतिपय परीक्षणों पर विचार किया है कि क्या आयात किया जाने वाला नया उत्पाद पीयूसी के दायरे के भीतर की उत्पादन किस्म है या वह पीयूसी के दायरे से बाहर कोई अलग उत्पाद किस्म है। जब उक्त परीक्षण किया गया तो यह देखा गया है कि यह तथाकथित अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रशड नैरो वोवेन फेब्रिक्स विचाराधीन उत्पाद के अलावा कुछ नहीं है और इस रूप को शामिल करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करना उचित होगा।

## ग. 2 अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

10. फेब्रिक्स स्तर से वेल्क्रो टेपों के एक विनिर्माता मै. समराज ग्लोबल ने अपने अनुरोधों में अपने मध्यवर्ती स्तर पर तैयार वेल्क्रो टेपों के उत्पादन में प्रयुक्त अप्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स के लिए पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने के याचिकाकर्ता की मांग का विरोध किया है। उन्होंने बताया है कि वे ऐसे नैरो वोवेन फेब्रिक्स का आयात करते हैं जो मध्यवर्ती स्तर अर्थात् केवल वोवेन और डाइ किए गए, पर होते हैं जिसे आगे विभिन्न प्रक्रियाओं के बाद वेल्क्रो टेपों या हुक और लूप फास्टेनेरों के लिए आगे प्रसंस्कृत किया जाता है। यह तर्क दिया गया है कि वोवेन और डाइ की गई फेब्रिक्स से वेल्क्रो टेपों या हुक और लूप फास्टेनेरों के निर्माण में कम से कम 10 प्रक्रियाएं शामिल हैं और उनमें लगभग 40 प्रतिशत मूल्यवर्धन होता है।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जॉच

11. उक्त दावों और प्रति दावों की जॉच मुम्बई के पास स्थित याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग तथा विवाडी के पास स्थित मै. समराज ग्लोबल की उत्पादन इकाइयों के सत्यापन के दौरान की गई है।

12. यह नोट किया गया है कि याचिकाकर्ता यार्न स्तर पर वस्तुओं का उत्पादन करता है। पालिएस्टर और नायलान यार्न की विभिन्न चौड़ाइयों के पाइल और मशरूम बुनाई (लूप और हुक निर्माण के लिए) के साथ नैरो वोवेन फेब्रिक्स में बुनाई होती है। तत्पश्चात बुने हुए वस्त्र को रंगा, सीधा और रोल किया जाता है और तत्पश्चात अपेक्षित मजबूती के लिए रसायनों (ग्लू बांडिंग और थर्मोसेटिंग) के साथ उपचारित किया जाता है। पाइल्ड और प्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स को उसके बाद फीमेल टेप में बदलने के लिए अपेक्षित ऊंचाई की पाइल्स के लिए ब्रशिंग और रेजिंग मशीनों से गुजारा जाता है। मशरूम वस्त्र को हुक्स या मेल टेप बनाने के लिए हुक कटिंग मशीनों से गुजारा जाता है। हुक और लूप फेब्रिक्स दोनों को तत्पश्चात अपेक्षित चौड़ाई और लम्बाई की टेपों में काटा जाता है और हुक और लूप टेपों के सेट के रूप में वेल्क्रो टेपों के तौर पर बेचा जाता है।

13. दूसरी ओर अन्य उत्पादक अर्थात् मै. समराज ग्लोबल अपने उत्पाद की शुरुआत अप्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स, अनउपचारित और ग्लू बांडिंग के बिना से करता है, जिसका वे आयात करते हैं। अप्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई जाने वाली उसी प्रक्रिया से गुजरती है और इस कंपनी के पास वही प्रसंस्करण लाइन है। कंपनी ने दावा किया है कि प्रसंस्करण के इन चरणों में काफी मूल्यवर्द्धन होता है। घरेलू उद्योग ने इस प्रक्रिया के जरिए इस मूल्यवर्द्धन के दावे पर प्रश्न उठाया है। यह तर्क दिया गया है कि एक विनिर्माता के रूप में उनकी स्वयं की लागत यह सिद्ध कर देगी कि इस स्तर पर मूल्यवर्द्धन काफी प्रसंस्करण/मूल्यवर्द्धन वाले इस उत्पादक के दावे का समर्थन नहीं करेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह प्रवचन-रोध का मामला नहीं है। अतः इस पहलू की जॉच करना जॉच के दायरे से बाहर है।

14. उक्त से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग हुक और लूप फास्तेनर या वेल्क्रो टेपों का एक उत्पादक है और केवल हुक और लूप फास्तेनरों की बिक्री करता है। यद्यपि वह नैरो वोवेन फेब्रिक्स को मध्यवर्ती वस्तु के रूप में पाइल वीव से बुनता है तथापि वह बाजार में नैरो वोवेन फेब्रिक्स को इसी प्रकार से नहीं बेचता है। मूल जॉच में परिभाषित और बाद की समीक्षाओं में अपनाये गए पीयूसी के विवरण से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि मूल रूप से जॉच किया गया और जिस पर शुल्क लागू किया गया उत्पाद केवल तैयार उत्पादों को बवर करता है और न कि अप्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स को। घरेलू उद्योग के यथोक्ता तर्क भी स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि उत्पाद जिसपर शुल्क लागू है हुक और लूप फास्तेनर/वेल्क्रो टेप हैं और न कि अप्रसंस्कृत नैरो वोवेन फेब्रिक्स।

15. प्रकटन के बाद के अनुरोधों में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यद्यपि विचाराधीन उत्पाद का फास्तेनिंग टेप के रूप में प्रयोग किया जाता है, तथापि विचाराधीन उत्पाद के विवरण को केवल प्रयोग के लिए तैयार टेप तक सीमित नहीं किया जा सकता है। तथापि उन्होंने इस तथ्य पर प्रश्न उठाया है कि वे केवल हुक और लूप फास्तेनरों के उत्पादक हैं और इसलिए वह ऐसे उत्पाद के लिए जॉच को नहीं कह सकते हैं जिसका प्रयोग हुक और लूप फास्तेनरों के उत्पादन में किया जाता है। अतः घरेलू उद्योग का यह तर्क कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में मध्यवर्ती वस्तु शामिल है, वैध नहीं है।

16. तैयार वस्तु और अनकट/अनिर्मित वस्तु के बीच आयात आकड़ों के अनुसार कीमत अंतर से घरेलू उद्योग के इस तर्क का समर्थन प्रतीत नहीं होता है कि अर्द्धनिर्मित उत्पाद के कथित आयात (जैसा सौदा विवरणों में बताया गया है) केवल अनकट संबद्ध वस्तुएं हैं और इन्हें तैयार उत्पाद में बदलने के लिए केवल कटाई की आवश्यकता होती है। तथापि आम सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ने कथित आयातित वस्तु के कुछ नमूने प्रस्तुत किए जो बिना कटे लूप और हुक वस्त्र प्रतीत होते थे। वे वास्तव में पूर्णतः प्रसंस्कृत, ग्लू बांडेड और पाइल्ड ब्रुशड और रेज्ड थे जिनमें केवल हुक कटिंग करनी थी। याचिकाकर्ता ने इस दावे के समर्थन में अनेक परीक्षण प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए कि ये अनकट हुक और लूप टेप विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा हैं।

17. उक्त तर्कों और परीक्षण एजेंसियों के प्रमाण-पत्रों की जॉच करने से पता चलता है कि पूर्णतः प्रसंस्कृत परंतु अनकट हुक और लूप टेप फास्तेनर में हुक कटिंग के अलावा तैयार वेल्क्रो टेपों के समान विशेषताएं हैं। इन अनकट हुक और लूप का हुक और लूप फास्तेनरों के रूप में प्रयुक्त होने के अलावा कोई अन्य उपयोग प्रतीत नहीं होता है। अतः प्राधिकारी का यह मत है कि इन पूर्णतः प्रसंस्कृत परंतु अनकट हुक और लूप टेपों को सभी अनिवार्य विशेषताएं समान होने के कारण विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर माना जाता है।

18. जहां तक अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अन-ब्रुशड नैरो वोवेन फेब्रिक्स जो पर्याप्त प्रसंस्करण के बाद हुक और लूप वेल्क्रो टेपों के विनिर्माण के मध्यवर्ती स्तर है, का संबंध है, विचाराधीन उत्पाद के दायरे में स्पष्ट रूप से नहीं आते हैं। अतः



इस मध्यवर्ती उत्पाद को शामिल करने से उत्पाद का दायरा बढ़ जाएगा। प्राधिकारी ने निरंतर माना है कि आयात की प्रवृत्ति में बदलाव का स्पष्ट साक्ष्य होने के बावजूद, निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद का विस्तार ऐसे उत्पादों या उत्पाद प्रकारों और/या उनकी किस्मों को शामिल करने के लिए नहीं किया जा सकता है जो मूल जॉच में शामिल न हों।

19. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि किसी पूर्व स्तर या मूल्य वर्धन स्तर पर उत्पादों के किसी आयात से किसी जॉच में विचाराधीन उत्पाद के विरुद्ध शुल्कों का प्रवंचन स्पष्ट रूप से नियमावली के अधीन उपबंधों के अलग समूह के अधीन एक अलग जॉच का विषय है और इसका समाधान इस प्रकार की समीक्षा में नहीं किया जा सकता है। अतः यदि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग प्रसंस्करण के किसी अन्य रूप में नैरो वोवेन फेब्रिक्स के आयातों से प्रभावित हुआ है जो करेंके प्रवंचन के प्रभाव हैं तो याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के लिए कानून के संगत उपबंधों के अधीन समुचित प्रवंचन रोधी कार्यवाही शुरू करने का विकल्प खुला है। याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की उक्त दलीलों को ध्यान में रखते हुए कि सभी प्रकार के नैरो वोवेन फेब्रिक्स को प्राधिकारी द्वारा एक स्पष्टीकरण के जरिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर रखा जाना चाहिए को स्वीकार नहीं किया गया है। तथापि पूर्णतः प्रसंस्कृत और तेर हुक और लूप टेपों जो अनकट हों को ऊपर रिकार्ड किए गए कारणों को देखते हुए विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर रखा गया है।

20. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु के अधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्ष द्वारा कोई संगत अनुरोध नहीं किया गया है। चूंकि यह निर्णायक समीक्षा जॉच है इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जॉच में पीयूसी का दायरा मुद्दों संबंधी उक्त स्पष्टीकरण के अधीन मूल जॉच के उत्पाद के समान ही रहेगा।

21. आवेदक ने बताया है कि उनके द्वारा उत्पादित नैरो वोवेन हुक और लूप वेल्क्रो टेप संबद्ध देशों से आयातित नैरो वोवेन हुक और लूप वेल्क्रो टेप से भौतिक और तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार समान वस्तु है। आयातित उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है और उपभोक्ता इनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर कर सकते हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि ताइवान से लगभग समस्त आयात नायलान नैरो वोवेन हुक और लूप फास्तेनर हैं तथापि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग नायलान नैरो वोवेन हुक और लूप टेपों की काफी कम मात्रा में उत्पादन करता है। देश में नायलान नैरो वोवेन हुक और लूप फास्तेनर का उत्पादन और खपत काफी सीमित है।

22. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 58 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 580610 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

#### घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

23. निर्णायक समीक्षा हेतु याचिका मै. इशी इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर की गई है। आवेदक के अलावा, संबद्ध वस्तुओं को मै. मैजिक फास्तेनर्स प्रा. लि., मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि., मै. सिद्धार्थ फिलामेंट प्राइवेट लिमिटेड, मै. गजानंद इलास्टिक लेस वर्क्स और मै. रिया टैक्स फैब प्रा. लि. द्वारा उत्पादित किया जाता है। मै. मैजिक फास्तेनर्स प्रा. लि. और मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. ने याचिका का समर्थन किया है। मै. समराजग्लोबल जो फेब्रिक स्तर से संबद्ध वस्तु का उत्पादन करते हैं ने भी आवेदन का समर्थन किया है परंतु याचिकाकर्ता के मध्यवर्ती स्तर पर शुल्क का विस्तार करने के तर्क का विरोध किया है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक और समर्थकों का भारत में संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है। यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक ने न तो संबद्ध वस्तु का आयात किया है और न ही वे संबद्ध देशों में किसी आयातक या निर्यातक से संबंधित हैं।

24. आवेदकों की स्थिति और घरेलू उद्योग के दायरे के संबंध में किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्ष द्वारा कोई संगत अनुरोध नहीं किया गया है। प्राधिकारी नरोट करते हैं कि मूल और पहली निर्णायक समीक्षा मामले में घरेलू उद्योग मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. था। तथापि आवेदक ने यह बताया है कि पूर्ववर्ती समीक्षा जॉचों के बाद मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. अधिकांशतः संबद्ध वस्तु का आयातक बन गया। मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. द्वारा याचिका के समर्थन में वर्तमान में प्रस्तुत एक पत्र में यह भी बताया गया है कि स्काई इंडस्ट्रीज वर्तमान में उनके संयंत्र में कुछ श्रमिक समस्याओं के कारण विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं कर रहे हैं। इसी बीच, वर्तमान आवेदकने भारत में विनिर्माण सुविधा स्थापित की है और वह उत्पाद के उत्पादन में शामिल है। अतः प्राधिकारी ने इस जॉच के प्रयाजनार्थ आवेदक को पात्र घरेलू उद्योग माना है।

**इ इस जॉच में हितबद्ध पक्षकार**

25. चूंकि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक और भारत में आयातक ने प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया है इसलिए उक्त पैरा 5 (vii) में यथा सूचीबद्ध याचिकाकर्ता और समर्थक उत्पादक और प्रतिवादी देशों के सरकारों के साथ मै. समराज ग्लोबल को इस जॉच में हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।

**च. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे**

26. उक्त मुद्दों के अलावा याचिकाकर्ता ने बताया है कि संबद्ध देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद चीन के मूल की संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा का कथित रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया और यूएई जैसे अन्य देशों के रास्ते यानांतरित की जा रही हैं ताकि शुल्कों से बचा जा सके। यह तर्क दिया गया है कि इन देशों में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए कोई ज्ञात उत्पादन सुविधाएं नहीं हैं। अतः इन देशों से आयातों में भारी वृद्धि उन देशों विशेष रूप से चीन, जिनके विरुद्ध शुल्क लागू है के मूल की वस्तुओं के यानांतरण का संकेत है। इस तर्क के समर्थन में याचिकाकर्ता ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से किए गए पत्राचार की प्रतियां उन देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों के ब्योरे प्रदान करने के लिए की है। यद्यपि यूएई ने इस बात की पुष्टि की है कि उस देश में संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादक नहीं है, तथापि मलेशिया और इंडोनेशिया ने पत्र का उत्तर नहीं दिया है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि इन मुद्दों पर इन देशों की चुप्पी इन देशों के रास्ते यानांतरण की स्वीकृति का संकेत है क्योंकि उन्होंने याचिका में लगाए गए यानांतरण के आरोप का खंडन नहीं किया है। अतः घरेलू उद्योग यह तर्क देता है कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा का आकलन करते समय, इंडोनेशिया, मलेशिया और यूएई से आयातों की मात्रा को मात्रा और कीमत प्रभाव विश्लेषण में जोड़ा जाए।

27. घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि अनकट वेल्को टेपों की काफी मात्रा का आयात संबद्ध वस्तुओं पर शुल्क को लगाये जाने के बाद हो रहा है ताकि शुल्कों से बचा जा सके और इसलिए इन आयातों पर भी मात्रात्मक प्रभाव संबंधी विश्लेषण के लिए विचार किया जाए।

28. इन मुद्दों की डीजीसीआईएंडएस आयात आकड़ों के आधार पर निम्नानुसार जॉच की गई है:

आयात मात्रा मी टन में				
देश	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (पीओआई)
चीन जन. गण.	1,105	860	261	436
अनकट हुक और लूप	151	330	144	311
तैयार सामान	955	530	117	124
कथित यानांतरण				
इंडोनेशिया	166	352	397	641
मलेशिया	187	288	157	163
यू ए ई	-	52	59	53

29. आकड़ों से पता चलता है कि चीन से आयातों में काफी कमी आई है। जबकि इंडोनेशिया से आयातों में मात्रा में भारी वृद्धि, मलेशिया से आयातों में गिरावट और यूएई से आयात लगभग समान रहे हैं। इंडोनेशिया सरकार द्वारा इंडोनेशिया में विनिर्माण सुविधाओं या कथित यानांतरण के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है। यूएई ने पहले ही पुष्टि की है कि उस देश में संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादन नहीं होता है। प्रतिवादी देशों की सरकारों सहित किसी हितबद्ध पक्ष से किसी अन्य सूचना के अभाव में घरेलू उद्योग के इस तर्क में सत्यता लगती है कि मलेशिया, इंडोनेशिया और यूएई से आयातित संबद्ध वस्तु का मूल

संभवतः चीन है। तथापि, यह मामला इस समीक्षा के बजाय उन देशों पर शुल्क का विस्तार करने के लिए प्रवृत्त रोधी उपबंधों के अधीन जाँच का भी है जिनके माध्यम से चीन पर शुल्क से बचने के लिए वस्तुओं का यानांतरण किया जा रहा है।

30. चीनी ताइपेई की सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए ताइपेई इकानामिक एंड कल्चरल सेंटर के प्रतिनिधि ने आम सुनवाई में यह तर्क दिया कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है और ताइवान से आयातों में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आईबीआईएस के आकड़ों के अनुसार गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और इसलिए इस देश के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की जरूरत नहीं है। यह तर्क भी दिया गया है कि संरक्षण उपायों का आयातों में अवरोध लगाने के लिए दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह तर्क भी दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने ताइवान से उत्पाद के निर्यातों की उच्च मात्रा दर्शाने के लिए ताइवान सीमाशुल्क के आकड़ों का जानबूझकर उपयोग किया है, जबकि आईबीआईएस में आयातों की कम मात्रा दर्शाई गई है और याचिकाकर्ता ने ताइवान में अतिरिक्त क्षमता का साक्ष्य नहीं दिया है।

31. ताइपेई इकानामिक एंड कल्चरल सेंटर द्वारा उठाये गये उक्त मुद्दे और जाँच में पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उनके संगत और साक्ष्यों द्वारा समर्थित होने की सीमा तक इस जाँच परिणाम में संबंधित खंडों में ध्यान दिया गया है।

## छ. वर्तमान पाटन के निर्धारण की पद्धति

### छ.1 विधिक स्थिति

32. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (5) में प्रावधान है कि :-

*“इस धारा के अंतर्गत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जब तक पहले नहीं हटाया जाता है तो वह उसे लागू किए जाने की तारीख से पाँच वर्षों तक लागू रहेगा:*

*बशर्ते कि यदि केन्द्र सरकार की किसी समीक्षा में, यह राय हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और क्षति होने की संभावना है तो वह समय-समय पर शुल्क की अवधि में अगले पाँच वर्षों के लिए वृद्धि कर सकती है और ऐसे आगामी अवधि उसे बढ़ाए जाने के आदेश की तारीख से लागू होगी।*

*बशर्ते यह भी कि जहां ऐसी समीक्षा पाँच वर्षों की पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति से पहले पूरी नहीं हो जाती है वहां पाटनरोधी शुल्क ऐसी किसी समीक्षा के परिणाम के लम्बित होने तक एक वर्ष तक की आगामी अवधि तक लागू रहेगा।”*

33. तदनुसार, किसी निर्णायक समीक्षा जाँच में प्राधिकारी के लिए इस बात की जाँच करना अपेक्षित है :

- क्या पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद पाटन जारी है और यदि हां तो क्या उसके जारी रहने की संभावना है।
- यदि पाटन जारी नहीं रहता है तो क्या यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी है और यदि हां तो क्या यदि शुल्क हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहने की संभावना है।
- ऐसे मामलों जहां घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी नहीं है क्या यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है।

34. अतः प्राधिकारी ने इस बात की जाँच करने से पहले कि क्या ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी है और ऐसी स्थिति में क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है पहले इस बात की जाँच की कि क्या संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है और क्या यदि शुल्क हटाया जाता है तो पाटन के जारी रहने की संभावना है और क्या शुल्क को हटाने पर उसकी पुनरावृत्ति होगी।

### छ.2 पाटन के जारी रहने की जाँच : सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से किसी भी उत्पादक और निर्यातक ने प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया है। उत्पादकों और निर्यातकों से किसी विश्वसनीय सूचना के अभाव में वर्तमान पाटन और इन दो देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की जाँच प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर निम्नानुसार की गई है:

**(क) चीन जन. गण.**

36. विश्वसनीय माने गए डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों के अनुसार 436 मी टन नैरो बोवेन फेब्रिक्स (वेलक्रो और वेलक्रो से इतर दोनों) का आयात चीन जन. गण. से पीओआई के दौरान किया गया। इस मात्रा में से केवल 124 एमटी तैयार सामान था और शेष (311 एमटी) वेलक्रो से इतर नैरो बोवेन फेब्रिक्स थे। तैयार वस्तु जो पीयूसी है और वेलक्रो से इतर नैरो बोवेन फेब्रिक्स के बीच का कीमत अंतर काफी अधिक है। अतः जैसा पूर्ववर्ती खंड में विस्तार से चर्चा की गई है उचित जॉच और पाटन की मात्रा और सीमा के निर्धारण के प्रयोजनार्थ केवल पीयूसी की निर्यात पर ही विचार किया गया है।

**सामान्य मूल्य**

37. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चूंकि चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और विभिन्न जॉचों में प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माना गया है इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने आरंभ में चीन में निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर करने का सुझाव दिया था। तदनुसार, याचिकाकर्ता ने सुझाव दिया कि श्रीलंका को प्रतिनिधि देश माना जाना चाहिए और श्रीलंका से एक उत्पादक (मै. एस. एन. इंडस्ट्रीज प्रा. लि.) से प्रतिनिधि निर्धारण के प्रयोजनार्थ जॉच में सहयोग करने का प्रस्ताव करते हुए एक पत्र प्रस्तुत किया। तथापि बाद में श्रीलंका के उक्त उत्पादक ने इस उपबंध के अधीन सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई सूचना/आकड़े प्रस्तुत नहीं किए। अतः किसी विश्वसनीय और सत्यापन योग्य सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अधीन समान उत्पाद के लिए भारत में प्रदत्त या देय वास्तविक कीमत जिसे तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु विधिवत रूप से समायोजित किया गया हो के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित करने की कार्यवाही की। चीन से आयात मिश्रित फाइबर के नैरो बोवेन फेब्रिक्स के हैं। तदनुसार चीन जन. गण. के लिए परिकलित सामान्य मूल्य को घरेलू उद्योग की समान उत्पाद की उत्पादन लागत को तर्कसंगत लाभ के साथ विधिवत रूप से समायोजित करके निर्धारित किया गया है जो **\*\*\*अम.डा./किग्रा.** बनता है।

**निर्यात कीमत**

38. जॉच अवधि के दौरान चीन से निर्यातित संबद्ध वस्तु की निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय भाड़े और बीमा कमीशन, बैंक प्रभारों और पत्तन संभलाई व्ययों के लिए विधिवत रूप से समायोजित करके निर्धारित किया गया है जो निम्नानुसार है:

विवरण	माप की इकाई	पीयूसी
आयात मात्रा	एमटी	124
आकलन मूल्य	लाख रु.	270
सीआईएफ निर्यात मूल्य	लाख अम. डा.	4.37
निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	3.51
समुद्री भाड़ा	अम.डा./किग्रा.	0.05
समुद्री बीमा	अम.डा./किग्रा.	0.02
एफओबी निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	3.44
कमीशन - 3%	अम.डा./किग्रा.	0.10
पत्तन व्यय -0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.02

अंतरदेशीय भाड़ा - 0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.02
बैंक प्रभार -0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.02
निवल निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	3.29

**पाटन मार्जिन:**

39. कारखाना-द्वार स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना चीन में सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन ज्ञात करने के लिए निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है:

सा. मू. अम.डा./किग्रा.	नि. की. अम.डा./किग्रा.	पा. मा. अम.डा./किग्रा.	पा. मा. %
***	3.29	***	70-80%

**(ख) चीनी ताइपेई**

40. विश्वास किए गए डीजीसीआईएंडएस के आकड़े दर्शाते हैं कि पीओआई के दौरान चीनी ताइपेई से केवल 32 एमटी संबद्ध वस्तु का आयात किया गया है और कीमतें अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक हैं। घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि चीनी ताइपेई से आयात नायलान नैरो वोवेन फेब्रिक्स का है जो आम तौर पर अधिक कीमत का होता है। याचिकाकर्ता अधिकांशतः मिश्रित फाइबर का नैरो वोवेन फेब्रिक होता है। परंतु नैरो वोवेन फेब्रिक की कुछ मात्रा नायलान से निर्मित भी उत्पादित की जाती है। चीनी ताइपेई में संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक या निर्यातक ने उस देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः समतुल्य तुला के प्रयोजनार्थ चीनी ताइपेई में सामान्य मूल्य की तुलना नायलान से बने नैरो वोवेन फेब्रिक के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर परिकलित की गई है जिसे तर्कसंगत लाभ मार्जिन के लिए विधिवत रूप से समायोजित किया गया है। ताइवान के लिए सामान्य मूल्य नायलान की अंतर्राष्ट्रीय कीमत को अपनाकर बिक्री वितरण और वित्त लागत और प्राधिकारी की प्रथा के अनुसार 5 प्रतिशत के तर्कसंगत आय का लगाकर सभी अन्य परिवर्तन और सुविधा लागत के अनुसार परिकलित किया गया है जो \*\*\*\*अम.डा./किग्रा. बनता है।

**निर्यात कीमत**

41. जांच अवधि के दौरान चीनी ताइपेईसे निर्यातित संबद्ध वस्तु की निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत को डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय भाड़े और बीमा कमीशन, बैंक प्रभारों और पत्तन संभलाई व्ययों के लिए विधिवत रूप से समायोजित करके निर्धारित किया गया है जो निम्नानुसार है:

विवरण	माप की इकाई	ताइवान
आयात मात्रा	एमटी	32
आकलन मूल्य	लाख रु.	293
सीआईएफ निर्यात मूल्य	लाख अम. डा.	4.75
निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	14.74
समुद्री भाड़ा	अम.डा./किग्रा.	0.05
समुद्री बीमा	अम.डा./किग्रा.	0.07

एफओबी निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	14.62
कमीशन - 3%	अम.डा./किग्रा.	0.44
पत्तन व्यय -0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.07
अंतरदेशीय भाड़ा - 0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.07
बैंक प्रभार -0.5%	अम.डा./किग्रा.	0.07
निवल निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	13.96

### पाटन मार्जिन:

42. कारखाना-द्वार स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना चीनी ताइपेई में सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन ज्ञात करने के लिए निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है:

सा. मू. अम.डा./किग्रा.	नि. की. अम.डा./किग्रा.	पा. मा. अम.डा./किग्रा.	पा. मा. %
***	13.96	(***)	(***)%

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के लिए निर्धारित जाँच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से काफी अधिक है और चीनी ताइपेई से पाटन मार्जिन नकारात्मक है।

### ज. पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति की संभावना

#### ज.1 घरेलू उद्योग के विचार

44. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में अन्य बातों के साथ-साथ यह अनुरोध किया है।

- कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन का इतिहास रहा है। संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक शुल्क लगाये जाने के बाद चीनी ताइपेई से आयातों में गिरावट आई है। तथापि चीन से आयात भारी मात्रा में अब भी प्रवेश कर रहे हैं। चीन जन. गण. से पाटन जारी है और आयातों की मात्रा काफी अधिक है।
- पूर्ववर्ती जाँचों में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है और पाटनरोधी शुल्क को हटाये जाने पर पाटन और परिणामी क्षति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वर्तमान जाँच में भी पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

#### पाटन मार्जिन

जाँच	चीन	ताइवान
मूल	355 %	298 %
एसएसआर-1	40-45 %	25-27 %

- पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने की स्थिति में इन निर्यातकों को भारत में विचाराधीन उत्पाद का पाटन करने का बेहतर अवसर मिल जाएगा, जिससे वे घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा हथिया लेंगे। यदि घरेलू उद्योग का शेष

बाजार हिस्सा पाटित आयातों द्वारा हथिया लिया गया तो भारतीय उत्पादकों के पास बाजार में बने रहने के लिए भारी घाटा उठाने या अपने संयंत्रों को बंद करने के अलावा को विकल्प नहीं बचेगा।

- iv. कि चीन का उत्पाद मलेशिया, इंडोनेशिया और यूएई के रास्ते यानांतरित किया जा रहा है और यदि शुल्क हटाया गया तो ये वस्तुएं पाटित कीमतों पर सीधे चीन से आना शुरू हो जाएंगी।
- v. कि चीनी ताइपेई के मामले में यद्यपि क्षति जॉच अवधि के दौरान काफी कम आयात हुए हैं तथापि पाटनरोधी शुल्क हटाये जाने पर पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती निर्णायक समीक्षाओं में जॉच की शुरुआत की और इस तथ्य के बावजूद पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा कि आयात शून्य या कम थे जो इस कारण था कि पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना थी। अतः चीनी ताइपेई से कम आयातों के बावजूद शुल्क को जारी रखा जाना चाहिए।
- vi. कि ताइवान सीमाशुल्क से प्राप्त आकड़े वर्तमान प्रयोजनों के लिए संगत सीमाशुल्क वर्गीकरण के अधीन विचाराधीन उत्पाद के निर्यात निरंतर दर्शाते हैं और भारतीय सीमाशुल्क में प्रदर्शित कीमत से काफी कम कीमत पर विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते हुए निर्यात दर्शाते हैं जो निम्नानुसार है:

वर्ष	मात्रा – एमटी		मूल्य – लाख रु.		दर – रु./किग्रा.	
	आईबीआई एस	ताइवान सीमाशुल्क	आईबीआई एस	ताइवान सीमाशुल्क	आईबी आईएस	ताइवान सीमाशुल्क
2011-12	19	15	78	112	418	738
2012-13	8	71	43	321	541	451
2013-14	13	164	73	697	574	425
पीओआई	15	163	112	621	753	382

- vii. कि उक्त से यह स्पष्ट है कि ताइवान से आयात कीमत भारतीय सीमाशुल्क द्वारा सूचित आयात कीमत से काफी कम है। भारी आयातों को देखते हुए याचिकाकर्ता ने बाजार में आगे पूछताछ की और पाया कि ताइवान से आयात की जा रही वस्तु 100 प्रतिशत नायलान निर्मित फेब्रिक है।
- viii. कि उक्त के मद्देनज़र प्राधिकारी को क्षति विश्लेषण और ताइवान से आयातों के पाटन मार्जिन की गणना करने के प्रयोजनार्थ ताइवान के सीमाशुल्क आकड़ों पर विचार करना चाहिए।
- ix. कि संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास भारी अतिरिक्त क्षमता है और यदि वर्तमान शुल्क हटाया जाता है तो संबद्ध देशों से पाटन निश्चित रूप से बढ़ेगा और अंततः घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाएगा।
- x. स्रोत बताए बिना याचिकाकर्ताओं ने अपने दावे के समर्थन में संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के कुछ प्रमुख उत्पादकों की क्षमता और उत्पादन के संबंध में निम्नलिखित सूचना उपलब्ध कराई है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने इस दावे का विरोध नहीं किया है।

कंपनी का नाम	क्षमता/ एमटी प्रति वर्ष
बैहे होल्लिंग कं. लि., झेजिआंग, चीन	3,713
झेजियांग हांगमिंग वीविंग रिब्वन कं. लि., चीन	3,750
हांगझाउ सेनसिन टेक्सटाइल कं. लि., चीन	900
चिको टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज कं. लि., ताइवान	188

शेनझेन डांगसेनसिन टैक्सटाइल कं. लि., चीन	312
कुल अनुमानित उत्पादन क्षमता	8,862

- xi. कि पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद पाटित कीमतों पर निर्यात हुए थे, यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि यदि वर्तमान शुल्क हटाया जाता है तो संबद्ध देशों से पाटित कीमतों पर निर्यात निश्चित रूप से बढ़ जाएंगे और अंततः घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाएंगे।
- xii. कि संबद्ध देशों से विश्व को विचाराधीन उत्पाद की निर्यात बिक्री काफी अधिक है। संबद्ध देशों में अधिकांश उत्पादक अपने-अपने घरेलू बाजार में बिक्री के बजाय विचाराधीन उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं जो स्पष्ट रूप से संबद्ध देशों में विनिर्माताओं का निर्यातोन्मुख होना दर्शाता है। शुल्क हटाये जाने पर ये निर्यातक पाटित कीमतों पर भारत को अपने निर्यातों में वृद्धि कर देंगे। इस दावे के समर्थन में याचिकाकर्ताओं ने कोई स्रोत बताए बिना निम्नलिखित सूचना प्रदान की है। तथापि इस सूचना का किसी अन्य हितबद्ध पक्ष ने विरोध भी नहीं किया है। यह तर्क दिया गया है कि विदेशी उत्पादक निर्यातों पर अत्यधिक केन्द्रित हैं और शुल्क हटाये जाने पर इन निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर भारत को उनके निर्यातों में वृद्धि किए जाने की संभावना है।

क्र.सं.	विदेशी उत्पादक/निर्यातक का नाम	निर्यात रूझान
1	झेजियांग हांगमिंग वीविंग रिब्वन कं. लि., चीन	30%
2	बैहे होल्लिंग कं. लि., झेजियांग, चीन	30%
3	एफ एंड टी नैरो फेब्रिक कं. लि., चीन	40%
4	शेनझेन डांगसेनसिन टैक्सटाइल कं. लि., चीन	10%
5	चिको टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज कं. लि., ताइवान	30%
6	ताइवान पाइहो लि., ताइवान	80%
7	हुआ ताइ स्पेशल वेबिंग्स कं. लि., ताइवान	30%

- xiii. कि कीमत जिस पर संबद्ध वस्तु का आयात किया जा रहा है उस कीमत से काफी कम है जिस पर वस्तु को घरेलू बाजार में बेचा जा रहा है। इसलिए यदि शुल्क की अवधि समाप्त हो जाती है तो निर्यातक भारतीय बाजार में अपने उत्पादन की आपूर्ति करेंगे क्योंकि उनके पास पहले ही अतिरिक्त क्षमता है और वे तीसरे देशों को काफी कम कीमतों पर संबद्ध वस्तु की वास्तव में बिक्री भी कर रहे हैं। ऐसी सभी परिस्थितियों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

## ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

45. पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्ष ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

## ज.3 प्राधिकारी द्वारा जॉच

46. पूर्ववर्ती खंड में यह नोट किया गया है कि पीओआई के दौरान चीनी ताइपेई से कोई पाटित आयात नहीं हुए हैं। चीन जन. गण. से आयातों का पाटन मार्जिन काफी अधिक है। उक्त के मद्देनजर इस समीक्षा में इस बात की जॉच किया जाना अपेक्षित है कि क्या यदि शुल्क हटाया जाता है तो चीन जन. गण. से पाटन जारी रहेगा और चीनी ताइपेई से उसकी पुनरावृत्ति होगी। संबद्ध देशों में उत्पादकों और निर्यातकों से किसी सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना की निम्नानुसार जॉच की है:

47. जहां तक चीन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में आयात हो रहा है। तैयार वस्तु के अलावा अनकट हुक और लूप वेल्क्रोटेपों के आयात में भी काफी वृद्धि हुई है जिसमें तैयार उत्पाद जैसी ही विशेषताएं हैं। ऐसा भी लगता है कि मूल नैरोवोवेन फैब्रिक्स के काफी आयात हुए हैं जो विभिन्न



प्रक्रियाओं के बाद हुक और लूप वेल्करो का उत्पादन करते हैं। यदि शुल्क हटाया जाता है तो आयातों के तैयार सामान की ओर शिफ्ट होने की स्पष्ट संभावना है जो इस समय पाटित कीमतों पर है इस प्रकार इससे मूल यार्न स्तर तथा फेब्रिक स्तर दोनों पर तैयार समान उद्योग दोनों प्रभावित होंगे।

48. इसके अलावा, चीन जन. गण. के मूल की संबद्ध वस्तु के कतिपय देशों के रास्ते भारी मात्रा में यानांतरण के आरोप भी लगाये गये हैं। इन आरोपों का किसी हितबद्ध पक्षकार ने खंडन नहीं किया है। वे कीमतें जिन पर ये वस्तुएं भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं दर्शाती हैं कि आयात पाटित कीमतों पर हुए हैं। यदि शुल्क हटाया जाता है तो ऐसी संभावना है कि इन वस्तुओं का चीन जन. गण. से सीधे निर्यात होगा।

49. इसके अलावा चीन जन. गण. में ज्ञात उत्पादकों की क्षमताएं और निर्यात रूझान दर्शाता है कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो ये उत्पादक समान कीमत स्तरों पर भारत को अपने निर्यात जारी रखने और तेज करने की स्थिति में होंगे।

50. पीओआई के बाद के आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन जन. गण. से आयात समान कीमत स्तरों पर जारी हैं।

	मात्रा एम टी में		कीमत रु./किग्रा. में	
देश	2015-16 - एच1	2015-16 - एच 2 जनवरी तक	2015-16 - एच1	2015-16 - एच2 जनवरी तक
चीन जन. गण.	161	156	160	137
अनकट हुक और लूप	142	140	144	115
तैयार वस्तु	19	16	281	326

51. अतः इन कारकों का समग्र विश्लेषण दर्शाता है कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो चीन जन. गण. से पाटन के जारी रहने की संभावना है।

52. तथापि, जहाँ तक चीन ताइपेई का संबंध है, क्षति जाँच अवधि के दौरान इस देश से संबद्ध वस्तुओं का वास्तविक रूप में कोई आयात नहीं हुआ है। पीओआई तथा पीओआई के बाद की अवधि के दौरान केवल कम मात्रा में आयात किया गया है परंतु इस तथ्य के बावजूद कि लागू शुल्क काफी अधिक कीमतों पर है। वस्तुएं उच्च क्वालिटी (नायलॉन वेल्करो) की है और यह निर्यात अन्य पाटित कीमतों पर किया हुआ पाया गया है। इस किस्म के उत्पाद का उत्पादन भारत में पर्याप्त मात्रा में नहीं किया जाता है।

53. चीन ताइपेई सीमा शुल्क आंकड़ों को उद्धृत करते हुए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि उक्त देश में सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार कीमतें काफी कम कीमतें हैं और यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो उस कीमत पर पाटन की पुनरावृत्ति होगी। चीन ताइपेई सरकार ने इस आंकड़े का प्रयोग करने पर विवाद किया है। तथापि, इस आंकड़े की किसी अन्य साक्ष्य के साथ पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए, घरेलू उद्योग के इस तर्क को स्वीकार नहीं किया गया है।

54. चीन ताइपेई से आयात की वर्तमान मात्रा पाटन के किसी तर्कपूर्ण आंकन के लिए बहुत कम है। तथापि, याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए अनुसार इस देश में प्रमुख उत्पादकों की क्षमताओं और निर्यात सघनता संबंधी सूचना दर्शाती है कि यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो इस देश से आयात में वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि इन उत्पादकों की क्षमताएं अधिक हैं। तथापि, कीमत स्तर इस तर्क का समर्थन नहीं करते कि इस देश से पाटन की पुनरावृत्ति होगी।

#### ज. क्षति और आकस्मिक लिंक की पद्धति तथा निर्धारण

55. क्षति जाँच संबंधी निर्णायक समीक्षा जाँच में, जैसा कि पहले नोट किया गया है कि, प्राधिकारी को निम्नलिखित की जाँच करने की आवश्यकता है:

- क्या घरेलू उद्योग क्षति वहन करता रहेगा। यदि हाँ, तो घरेलू उद्योग को क्षति होते रहने की संभावना है;

- उन मामलों में, जहाँ घरेलू उद्योग को क्षति वहन करना जारी नहीं है तो क्या पाटनरोधी शुल्क के निरसन की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की पुनरावृत्ति की संभावना है।

56. इसलिए, प्राधिकारी ने पहले इस बात की जाँच की है कि संबद्ध देशों से शुल्क के निरसन की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की होने की संभावना की जाँच शुरू करने से पूर्व संबद्ध देशों से पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग को भारी क्षति होती रहेगी। घरेलू उद्योग को भारी क्षति की जाँच एडी करार के अनुच्छेद 3 और एडी नियमावली, 1995 के अनुबंध II के अनुसार हैं।

## ज. क्षति तथा आकस्मिक लिंक का निर्धारण

### ज.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

57. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि तथापि घरेलू उद्योग को क्षति जाँच अवधि के दौरान भारी क्षति नहीं हुई है इसलिए पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने से घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

58. यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को लागू शुल्क के समाप्त होने के संभावित परिणाम की जाँच करने की आवश्यकता है। वहाँ ऐसी स्थिति हो सकती है जिसमें पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् घरेलू उद्योग के वर्तमान निष्पादन में सुधार लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण है। इस प्रकार के मामले में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को इस धारा के पिछले पैराग्राफों में किए गए उल्लेख के अनुसार घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार करने के बारे में जाँच करने के अतिरिक्त घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उस मामले में जहाँ घरेलू उद्योग को पहले ही क्षति हो रही है, प्राधिकारी को इस बात की जाँच करने की आवश्यकता है कि क्या संबद्ध देश से संभावित पाटन रोधी उद्योग को क्षति का संभावित कारण है।

### ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्व में रिकार्ड किए गए चीनी ताइपेई की सरकार की ओर से किए गए अनुरोधों के छोड़कर क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किसी उत्पादक/ निर्यातक/आयातक द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

### ज.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

60. प्राधिकारी ने क्षति और आकस्मिक लिंकों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और सभी प्रकथनों की रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानून को ध्यान में रखते हुए जाँच की है। तदनुसार, प्राधिकारी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से आयात के कारण क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच करने के लिए आगे बढ़ने से पहले घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जाँच करने के लिए आगे बढ़ता है।

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि समीक्षा दो देशों के विरुद्ध दी जा रही है इसलिए चीन ताइपेई के संबंध में पाटन का मार्जिन ऋणात्मक है और समीक्षा की अवधि के दौरान चीन ताइपेई से आयातित उत्पाद प्रतिस्पर्द्धा की विभिन्न स्थितियों में संतोषजनक नहीं रहे हैं। इसलिए, इन देशों से पाटित आयात द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, की पृथक रूप से जाँच की गई है।

62. अनुबंध II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में उल्लेख किया गया है कि क्षति निर्धारण में उन घटकों की जाँच शामिल हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं। "... ... पाटित आयात की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयात के परिणामी प्रभाव सहित विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ... ..." कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह जाँच करना आवश्यक समझा गया है कि भारत में समान वस्तु की कीमत के साथ तुलना में पाटित आयात द्वारा पर्याप्त कम कीमत है अथवा इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा पर्याप्त मात्रा तक कीमतों पर दबाव डालेगा अथवा प्रचलित कीमतें बढ़ेंगी जोकि अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हुई होती।

63. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजन से पाटन और क्षति के बीच क्षति और आकस्मिक लिकों के अस्तित्व, यदि कोई हो, की जाँच करने के लिए प्राधिकारी को घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात की मात्रा और कीमतों तथा कीमतों पर इसके प्रभाव एवं लाभप्रदता की जाँच करना अपेक्षित है।

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने के लिए आवेदन प्रारंभ में मैसर्स इशी इंडस्ट्रीज द्वारा दायर किया गया था और उन्हें इस समीक्षा में क्षति जाँच के प्रयोजन से घरेलू उद्योग माना गया है।

65. शुल्क के निरीक्षण की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की जाँच शुरू करने से पूर्व घरेलू उद्योग के वास्तविक प्राचलों के संबंध में पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जाँच की गई है।

#### क. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

##### (i) आयात मात्रा और आयात में हिस्सा

66. आयात मात्रा और कीमतों में रूख तथा घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए डीजीसीआईएण्डएस से आयात आंकड़े प्राप्त किए गए हैं। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के ये तर्क नोट करता है कि चीन से अनकट नैरो वीवेन फैब्रिक्स का पर्याप्त आयात किया गया है जोकि कुछ नहीं बल्कि संबद्ध वस्तुएं हैं और इसलिए उन आयातों को भी क्षति जाँच के लिए गिना जाना चाहिए। पूर्ववर्ती खण्ड में प्राधिकारी ने मुद्दों की जाँच की थी और यह निष्कर्ष निकाला था कि पूर्ववर्ती जाँचों में परिभाषितानुसार संबद्ध वस्तुएं और जोकि वर्तमान जाँच में समीक्षा का विषय है, इस तरीके से उल्लेख किया गया है कि यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट करता है कि शुल्क, फिनिशड नैरो वीवेन फैब्रिक्स, जोकि वेलक्रो टेप्स के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए सक्षम है, पर लगाने का प्रस्ताव है। इसलिए अनफिनिशड अथवा अनकट फैब्रिक्स का आयात, जैसा कि निर्दिष्ट है, इस जाँच के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है। यदि शुल्क से बचने के लिए अनफिनिशड अथवा अनकट फैब्रिक्स का निर्यात किया जा रहा है तो घरेलू उद्योग कानून के संबंधित प्रावधानों के अनुसार तरकीबरोधी जाँच की शुरुआत के लिए याचिका करने हेतु स्वतंत्र है। इसलिए, वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए केवल फिनिशड वस्तुएं हैं जैसा कि परिभाषित किया गया है क्योंकि संबद्ध उत्पादन को मात्रा तथा कीमत प्रभाव विश्लेषण के लिए माना गया है।

67. इसके अतिरिक्त, जैसा कि पहले नोट किया गया है, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि शुल्क से बचने के लिए कतिपय देशों के जरिए चीन पीआर मूल्य की संबद्ध वस्तुओं की भारी ट्रांशिपमेंट हैं। इन ट्रांशिपमेंट के आरोप को हितबद्ध पक्षकारों और संबंधित देशों की सरकारों द्वारा खण्डन नहीं किया गया है। तथापि, यह तरकीबरोधी जाँच का विषय होने के कारण इस मुद्दे का यहाँ समाधान नहीं किया गया है। परंतु अनकट और ट्रांशिपड मात्राओं दोनों की संभावित जाँच का प्रयोजन माना गया है क्योंकि ये वस्तुएं इस समीक्षा के परिणामस्वरूप शुल्क के निरसन की स्थिति में सीधे संबद्ध वस्तुओं के रूप में भारतीय बाजार में प्रवेश करने की संभावना है।

68. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान चीन से आयात पाटित कीमतों पर है जबकि चीन टाईपई से आयात गैर-पाटित आयात है। तथापि, संभावित जाँच के प्रयोजन से यह एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण दोनों देशों से सभी आयात संभावित जाँच मात्रा और कीमत प्रभाव विश्लेषण के लिए की गई है। क्षति जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के डीजीसीआईएण्डएस के आयात आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

आयात मात्रा	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 एच1
चीन	एमटी	1,105	860	261	436	161
अनकट/अनफिनिशड	एमटी	151	330	144	311	142
संबद्ध वस्तुएं	एमटी	955	530	117	124	19
निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट	एमटी					
इंडोनेशिया	एमटी	166	352	397	641	261
मलेशिया	एमटी	187	288	157	163	54

यूएई	एमटी	-	52	59	53	-
कुल चीन + ट्रांशिपमेंट	एमटी	1,458	1,553	873	1,293	476
ताइवान	एमटी	14	5	6	32	30
अन्य देश	एमटी	413	894	618	1,121	589
कुल आयात	एमटी	1,885	2,452	1,497	2,447	1,095

69. आंकड़े दर्शाते हैं कि क्षति जाँच अवधि के दौरान चीन पीआर से संबद्ध वस्तुओं के आयात में काफी गिरावट आई है और अनकट/फिनिश वस्तुओं का आयात कोई निश्चित रुख नहीं दर्शाता है। इंडोनेशिया के जरिए चीन मूल की संभावित निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट वस्तुओं में कोई पर्याप्त वृद्धि नहीं दर्शाता। मलेशिया और यूएई के जरिए आयात का कोई निश्चित रुख नहीं है, इन दो देशों से आयात कुल मिलाकर स्थिर रहा है। क्षति जाँच की संपूर्ण अवधि के दौरान चीन ताइपेई से आयात बहुत कम है। घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि ताइवान से आयात उच्च कीमत की नायलॉन टेप्स का है। भारत में इस उत्पाद का उत्पादन और मांग भी बहुत कम है। वास्तव में अन्य देशों से आयात काफी वृद्धि दर्शाता है।

आयात में हिस्सा	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 एच1
संबद्ध देश	%	78%	64%	59%	54%	46%
चीन	%	59%	35%	17%	18%	15%
अनकट/अनफिनिश	%	8%	13%	10%	13%	13%
संबद्ध वस्तुएं	%	51%	22%	8%	5%	2%
निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट						
इंडोनेशिया	%	9%	14%	26%	26%	24%
मलेशिया	%	10%	12%	10%	7%	5%
यूएई	%	0%	2%	4%	2%	0%
कुल चीन + ट्रांशिपमेंट	%	77%	63%	58%	53%	44%
ताइवान	%	1%	0%	0%	1%	3%
अन्य देश	%	22%	36%	41%	46%	54%
कुल	%	100%	100%	100%	100%	100%

70. उपरोक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि यह परिकल्पना करते हुए कि अनकट/अनफिनिश नैरो बीवेन फैब्रिक्स को फिनिश वस्तुओं में परिवर्तित किया जाता है और भारत को सीधे शिप्ट किया जाता है। चीन पीआर मूल की अथवा वहाँ से निर्यात की गई वस्तुओं का प्रतिशत हिस्सा पीओआई में संपूर्ण क्षति जाँच अवधि के दौरान लगभग 77% से 53% की काफी गिरावट और पीओआई के बाद की अवधि में और 44% की गिरावट दर्शाता है। चीन ताइपेई से आयात कुल आयात के 1% से कम है। अन्य देशों से आयात में काफी वृद्धि दर्शाता है और पीओआई में आयात का लगभग 46% है।

## (ii) मांग का निर्धारण और बाजार हिस्सा

71. यह परिकल्पना करते हुए कि भारत को आयातित अनकट/अनफिनिशड वस्तुएं फिनिशड वस्तुओं में परिवर्तित की जाती है और भारत में खपत की जाती है। उपलब्ध सूचना के अनुसार सभी ज्ञात उत्पादकों के घरेलू उत्पादन सहित सभी स्रोतों से संबद्ध फिनिशड वस्तुओं के आयात के साथ-साथ चीन से अनकट/अनफिनिशड वस्तुओं को ध्यान में रखते हुए मांग की गणना की गई है। मांग और अनुमानित बाजार हिस्सा नीचे दिया गया है:

मांग	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 एच1
कुल चीन + ट्रांशिपमेंट	एमटी	1,458	1,553	873	1,293	476
रूख	इंडेक्स	100	107	60	89	33
ताइवान	एमटी	14	5	6	32	30
रूख	इंडेक्स	100	36	43	229	214
अन्य देश	एमटी	413	894	618	1,121	589
रूख	इंडेक्स	100	216	150	271	143
डीआई घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	129	151	173	85
अन्य भारतीय उत्पादक	एमटी	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	74	73	73	38
कुल मांग	एमटी	2,994	3,478	2,593	3,624	1,694
रूख	इंडेक्स	100	116	87	121	57
बाजार हिस्सा						
संबद्ध देश	%	49%	45%	34%	37%	30%
कुल चीन + ट्रांशिपमेंट	%	49%	45%	34%	36%	28%
ताइवान	%	0%	0%	0%	1%	2%
अन्य देश	%	14%	26%	24%	31%	35%
डीआई घरेलू बिक्री	%	***%	***%	***%	***%	***%
रूख	इंडेक्स	100	117	183	150	158
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***%	***%	***%	***%	***%
रूख	इंडेक्स	100	64	84	60	68
कुल	%	100%	100%	100%	100%	100%

72. उपरोक्त आंकड़े मांग में गिरावट का निश्चित रूप नहीं दर्शाते हैं। यह 2012-13 में बढ़ गया और उसके बाद पीओआई में पुनः बढ़कर कम हो गया। संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा लगभग 50% से काफी कम होकर लगभग 30% हो गया जबकि अन्य देशों और याचिका करने वाले घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा इस अवधि के दौरान काफी बढ़ गया। वास्तविकता यह है कि अन्य घरेलू उत्पादकों का बाजार हिस्सा लगभग \*\*\*% से घटकर \*\*\*% हो गया है जबकि याचिकाकर्ता का हिस्सा \*\*\*% बढ़कर \*\*\*% हो गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं को प्रमुख उत्पादक अर्थात् मैसर्स स्काई इंडस्ट्री ने अन्य कारणों की वजह से पहले उत्पादन बंद कर दिया था।

#### ख. पाटित आयात का कीमत प्रभाव

##### (i) आयात कीमतों का रूप

73. डीजीसीआईएण्डएस के आंकड़ों के अनुसार पीओआई के दौरान विभिन्न देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत नीचे दी गई है:

आयात कीमत	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 एच1
संबद्ध देश	रु./कि.ग्रा.	119	137	156	207	206
चीन	रु./कि.ग्रा.	85	99	108	152	160
अनकट/अनफिनिशड	रु./कि.ग्रा.	54	64	70	126	144
संबद्ध वस्तुएं	रु./कि.ग्रा.	89	120	154	217	281
निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट	रु./कि.ग्रा.					
इंडोनेशिया	रु./कि.ग्रा.	299	254	198	207	191
मलेशिया	रु./कि.ग्रा.	139	111	128	206	204
यूएई	रु./कि.ग्रा.	-	82	92	254	-
कुल चीन + ट्रांशिपमेंट	रु./कि.ग्रा.	116	135	151	190	182
ताइवान	रु./कि.ग्रा.	414	665	795	910	579
अन्य देश	रु./कि.ग्रा.	422	454	450	453	418
कुल	रु./कि.ग्रा.	185	253	278	320	320

74. उपरोक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन से आयात की सीआईएफ कीमतें क्षति जाँच के दौरान काफी वृद्धि दर्शाती हैं। इंडोनेशिया के जरिए निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट के मामले में ही कीमतों में काफी गिरावट आई है। चीन ताइपेई से आयात बहुत अधिक कीमतों पर है और कीमतें बढ़ी हैं। चीन पीआर से कीमतों की तुलना में अन्य देशों से आयात अधिक कीमतों पर है और क्षति जाँच अवधि के दौरान बहुत ही नैरो बैंड में चली गई है।

##### (ii) पाटित आयातों का कीमत अंडरकटिंग प्रभाव

75. चीन पीआर से पाटित आयातों के कीमत अंडरकटिंग प्रभाव की जाँच करने के लिए फिनिशड वस्तुओं के आयात के उतराई मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की गई है। चीन ताइपेई के मामले में आयात नायलॉन टेप्स का है। अतः अंडरकटिंग विश्लेषण के प्रयोजन से नायलॉन टेप्स के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमत की तुलना इस देश से आयातों के उतराई मूल्य से की गई है।

चीन पीआर	ईकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (पीओआई)	पीओआई के बाद
आयात की उतराई कीमत	रु./कि.ग्रा.	99.53	133.62	171.65	241.27	312.63
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
एडीडी के बिना अंडरकटिंग कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
एडीडी के बिना अंडरकटिंग कीमत (%)	%	65-75%	50-60%	45-55%	25-35%	5-15%
आयात की उतराई कीमत (एडीडी के साथ)	रु./कि.ग्रा.	237.70	290.48	346.29	418.33	501.79
एडीडी के साथ अंडरकटिंग कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	(***)	(***)	(***)
एडीडी के साथ अंडरकटिंग कीमत (%)	%	30-40%	5-1%	(0-10)%	(10-20)%	(25- 35)%
चीन ताइपेई						
आयात की उतराई कीमत	रु./कि.ग्रा.	460.72	740.61	885.75	1,013.29	644.64
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
एडीडी के बिना अंडरकटिंग कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	(***)	(***)	(***)	(***)
एडीडी के बिना अंडरकटिंग कीमत (%)	%	0-10%	(55- 65)%	(105- 115)%	(125- 135)%	(40- 50)%
आयात की उतराई कीमत (एडीडी के साथ)	रु./कि.ग्रा.	544.96	836.25	992.24	1,121.26	759.98
एडीडी के साथ अंडरकटिंग कीमत	रु./कि.ग्रा.	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
एडीडी के साथ अंडरकटिंग कीमत (%)	%	(10- 20)%	(40- 50)%	(50- 60)%	(55-65)%	(35- 45)%

76. आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन पीआर से पाटित आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती की है। परंतु चूंकि पाटनरोधी शुल्क लागू हो इसलिए शुल्क भुगतान आयात का घरेलू उद्योग की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं हुआ क्योंकि इसका ऋणात्मक अंडरकटिंग मार्जिन था। घरेलू उद्योग की विक्रय कीमतों पर चीन ताइपेई से आयात का कोई अंडरकटिंग प्रभाव नहीं है।

### (iii) पाटित आयातों का कम विक्रय कीमत प्रभाव

77. यह देखने के लिए कि यदि पाटित आयात का घरेलू कीमतों पर काफी कम विक्रय कीमत प्रभाव था। घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षति निर्धारित कीमत के साथ पाटित आयातों के उतराई मूल्य से तुलना की गई है।

विवरण	यूओएम	चीन पीआर	चीन ताइपेई
गैर क्षति कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***
गैर क्षति कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	***	***
एडीडी के बिना पाटित आयात की उतराई कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	3.91	16.43
एडीडी के साथ पाटित आयात की उतराई कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	6.78	18.18
एडीडी के बिना कम विक्रय कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	***	***
	%	40-50%	(50-60)%
एडीडी के साथ कम विक्रय कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	(***)	(***)
	%	(10-20)%	(50-60)%

78. उपरोक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन पीआर से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी कम विक्रय प्रभाव था। तथापि, शुल्क भुगतान उतराई मूल्य का कम विक्रय कीमत प्रभाव ऋणात्मक है। ताइपेई का घरेलू उद्योग पर कोई कम विक्रय प्रभाव नहीं है।

(iv) कीमत निग्रह अथवा मंदी

79. नीचे तालिका में दिए अनुसार घरेलू उद्योग की लागत और कीमतों तथा चीन से आयातों के उतराई मूल्य का रूख दर्शाता है कि चीन पीआर से आयात के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में निग्रह अथवा मंदी नहीं थी। चीन ताइपेई से आयात काफी उच्च कीमतों पर है।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 पीओआई	पीओआई के बाद
विक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	99	106	109	110
विक्री की कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	99	106	108	111
आयात की उतराई कीमत	रु./कि.ग्रा.	99.53	133.62	171.65	241.27	312.63
रूख	इंडेक्स	100	134	172	242	314

ग. घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले आर्थिक प्राचल

80. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न वास्तविक निष्पादन प्राचल नीचे दिए गए हैं:



## (i) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

81. यदि उत्पादकों का निष्पादन संबद्ध देशों से आयात द्वारा प्रभावित हुआ था, को देखने के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन की बिक्री, क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग की दृष्टि से नीचे दिए अनुसार जाँच की गई है।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 पीओआई	पीओआई के बाद एच1
क्षमता	एमटी	***	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	156	178	200	122
उत्पादन	एमटी	***	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	126	147	173	82
क्षमता उपयोग	%	84%	68%	69%	72%	56%
रुख	इंडेक्स	100	81	82	86	67
बिक्री	एमटी	***	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	129	151	173	85

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनी ने \*\*\*एमटी वार्षिक क्षमता से 2010-11 में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया था जोकि पीओआई में \*\*\*एमटी वार्षिक क्षमता से वर्षों में निरंतर बढ़ रही है। इस अवधि के दौरान उत्पादन और बिक्री दुगुना से भी अधिक हो गई है। क्षमता उपयोग में गिरावट लगभग प्रतिवर्ष क्षमता अभिवृद्धि के कारण है। इसलिए अयात का घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री पर कोई प्रभाव पड़ना प्रतीत नहीं होता।

## (ii) लाभ/हानि, निवेश पर प्रतिफल और नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

83. घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं करता है। संबद्ध वस्तुओं के लिए क्षति जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का वित्तीय निष्पादन नीचे तालिका में दर्शाए अनुसार है।

लाभ/(हानि)	ईकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई	पीओआई के बाद
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	99	106	109	110
बिक्री की कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	99	106	108	111
लाभ/(हानि)/ईकाई	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***

रूख	इंडेक्स	100	71	67	83	137
लाभ/(हानि) – कुल	रु. लाख	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	92	102	143	117
नगद लाभ						
लाभ/हानि	रु. लाख	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	92	102	143	117
मूल्यहास	रु. लाख	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	97	100	100	54
नगद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	95	101	118	81
व्याज	रु. लाख	***	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	128	137	175	60
व्याज और कर से पूर्व लाभ	रु. लाख	***	***	***	***	***

84. आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन पर आयातों का कोई प्रभाव दर्शाते हुए क्षति जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है।

(iii) मालसूची पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

85. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची बढ़ गई है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि बिक्री के अनुसार उत्पादन स्तर को नियंत्रित करने के लिए याचिकाकर्ता के निर्णय के लंबित रहते हुए माचसूची में और वृद्धि होगी।

विवरण	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
आरंभिक स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
रूख	इंडेक्स	100	129	86	157

(iv) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

86. क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का रोजगार और मजदूरी बढ़ गई है क्योंकि क्षमताएं और उत्पादन भी बढ़ गया है। प्रतिदिन उत्पादकता की दृष्टि से उत्पादकता भी बढ़ गई है। यद्यपि पीओआई में प्रति कर्मचारी उत्पादकता घट गई है।

विवरण	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	125	150	183
वेतन एवं मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	123	134	149
प्रतिदिन उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	126	147	172
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
रुख	इंडेक्स	100	101	98	94

## (v) वृद्धि

87. विभिन्न प्राचलों की वृद्धि से संबंधित सूचना दर्शाती है कि मात्रा और कीमत प्राचलों दोनों की दृष्टि से घरेलू उद्योग ने धनात्मक वृद्धि दर्ज की है।

वृद्धि	यूओएम	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई के बाद
उत्पादन	%	-	26%	17%	17%	-6%
घरेलू बिक्री मात्रा	%	-	29%	17%	14%	-1%
क्षमता उपयोग	%	-	-16%	2%	3%	-17%
लाभ	%	-	-29%	-5%	23%	65%
नगद लाभ	%	-	-5%	6%	18%	36%
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	%	-	0%	-2%	2%	-0.31%

## (vi) पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

88. चीन पीआर से पाटित आयातों का पाटन मार्जिन न केवल *डी मिनिमस* है बल्कि बहुत अधिक भी है। हालांकि, चीनी ताइपेई से आयात और गैर-पाटित कीमतों पर हैं।

## ट. क्षति मार्जिन

89. संबद्ध देशों से पाटित आयात के उतराई मूल्य का क्षति मार्जिन, यदि कोई हो, के वर्तमान स्तर का निर्धारण करने के

लिए नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित गैर-क्षति कीमतों से तुलना की गई है।

विवरण	यूओएम	चीन पीआर	चीन ताइपेई
गैर क्षति कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	***	***
पाटित आयात की उतराई कीमत	यूएस\$कि.ग्रा.	3.91	16.43
क्षति मार्जिन	यूएस\$कि.ग्रा.	***	(***)
	%	40-50%	(50-60)%

90. उपरोक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन पीआर से आयातों का धनात्मक क्षति मार्जिन जारी है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें गैर क्षति कीमत से कम हैं जबकि चीन ताइपेई से आयात का समीक्षा अवधि के दौरान कोई क्षति मार्जिन नहीं है।

#### ठ. क्षति और कारणात्मक संबंध का समग्र निर्धारण

91. ऊपर उल्लिखित अनुसार क्षति प्राचलों की जाँच दर्शाती है कि जाँच के अधीन की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने कोई भारी क्षति वहन नहीं की है और अपने अनुरोधों में याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ने यह तथ्य स्वीकार भी किया है। तथापि, भारत और विक्रय कीमतें (एनएसआर) मिक्सड यार्न उत्पादों के मामले में उनके लिए निर्धारित गैर क्षति कीमत से मामूली नीचे थीं। संबद्ध देशों से आयात का मात्रा और कीमतों की दृष्टि से घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं है। इसलिए प्राधिकारी अनिवार्य नॉन-एट्रिब्यूशन घटकों का विश्लेषण और आकस्मिक लिंकों की जाँच का कोई कारण नहीं पाते।

#### ड. क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना

92. यद्यपि पूर्ववर्ती भाग में जाँच दर्शाती है कि याचिका करने वाले घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से पाटित आयात के कारण भारी क्षति वहन नहीं की। यह लागू शुल्क निर्णायक समीक्षा होने के कारण प्राधिकारी को शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच करना अपेक्षित है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चालू कीमत अंडरकटिंग और/अथवा संभावित अंडरकटिंग यह दर्शाएंगी कि यदि शुल्क को निरसित कर दिया जाता है तो वस्तुओं से घरेलू उद्योग को भारी क्षति होगी। यह तर्क दिया गया है कि उस स्थिति में, जहाँ घरेलू उद्योग को कोई क्षति जारी नहीं है, इसका आशय यह नहीं है कि लागू पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए। लागू पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच हेतु नियमों में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अपेक्षा है।

93. पूर्ववर्ती भाग में उल्लिखित पाटन के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच, जोकि चीन पीआर से पाटन के जारी रहने की स्पष्ट संभावना है। यह भी नोट किया गया था कि जाँच की अवधि के दौरान किसी हाई-एण्ड किस्म के उत्पाद को चीन ताइपेई से मिनिस्कल आयात है, वहाँ उस देश में उपलब्ध क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए चीन ताइपेई से अधिक आयात होने की संभावना है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए उस संदर्भ में घरेलू उद्योग के लिए क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच की गई है।

#### ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

94. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के परिणामस्वरूप कई आर्थिक प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन स्थिर रहा है अथवा सुधार हुआ है। तथापि, पाटन ने क्षमता उपयोग, स्टॉक, बाजार हिस्सा, कम लाभ, निवेश पर कम प्रतिफल और प्रचालनों से कम नगद प्रवाह जैसे प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग को निरंतर और प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है क्योंकि घरेलू उद्योग को उत्पादन नियंत्रित करने के लिए बाध्य किया गया है और उसके

बावजूद बढ़ती हुई मालसूची का सामना किया है। यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन ताइपेई से कट और अनकट दोनों रूपों में पाटित कीमतों पर चीन से (सीधे के साथ-साथ ट्रांशिपड) पर्याप्त आयात हुआ है, जाँच अवधि में जैसा कि ताइवान सीमा शुल्क द्वारा सूचित किया गया है, आयात में वृद्धि हुई है। चीन से पाटित आयात घरेलू उद्योग की पर्याप्त अंडरकटिंग कीमतों पर हुआ। आयात की उतराई कीमतें न केवल घरेलू उद्योग की विक्रय कीमत से कम है बल्कि घरेलू उद्योग की उत्पादन कीमत तथा गैर क्षति कीमत से भी कम है।

95. घरेलू उद्योग ने आगे तर्क दिया है कि चालू पीओआई में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों धनात्मक और काफी है। इसलिए, पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रह करेगा और कीमत वृद्धि की रोकथाम करेगा जोकि पाटनरोधी शुल्क नहीं होने के कारण नहीं होगी। उत्पादन, विक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग जैसे प्राचलों के संबंध में पीओआई के पश्चात् घरेलू उद्योग का निष्पादन पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद खराब हुआ है। यह अनुरोध किया गया है कि देश में मांग के बावजूद देश के भीतर क्षमताओं से काफी अधिक है, घरेलू उद्योग ने क्षमता उपयोग, देश में कम तथा लघु शेयर हिस्से का सामना किया है। यदि शुल्क को निरसित किया जाता है तो बाजार हिस्से में आगे और गिरावट होगी।

96. यह अनुरोध किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू किए बिना पीओआई के दौरान चीन से पाटित आयात द्वारा पर्याप्त अंडरकटिंग कीमत जोकि घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में कीमतें पर्याप्त कम करने को मजबूर होगा। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के कम स्तर के कारण इस प्रकार की कीमत कमी का अभिप्राय यह होगा कि घरेलू उद्योग वित्तीय हानियां, निवेश पर ऋणात्मक प्रतिफल तथा ऋणात्मक नकद लाभ वहन करेगा।

97. घरेलू उद्योग ने आगे तर्क दिया है कि विषय की डब्ल्यूटीओ न्यायशास्त्र के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क के निरीक्षण की स्थिति में घरेलू उद्योग के लिए क्षति की संभावना की जाँच करना अपेक्षित है। यदि समीक्षा अवधि के दौरान कोई आयात नहीं हुआ था अथवा उस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को भारी क्षति नहीं होती। अर्जेंटीना से ऑयल केंद्री ट्यूबलर गुड्स पर पाटनरोधी शुल्क की यूएस - निर्णायक समीक्षा के मामले में डब्ल्यूटीओ की पैनल रिपोर्ट के लिए संदर्भ दिया गया है जिसमें यह कहा गया था कि:

*"मुद्दे में निर्णायक समीक्षा की तारीख को घरेलू उद्योग की स्थिति सकारात्मक है जो निष्कर्ष पर भी बाधित नहीं करता कि यूएस उद्योग के मात्रा में वृद्धि से प्रभावित होने की संभावना है और संभावित पाटित आयातों की कीमत का ऋणात्मक प्रभाव है।"*

98. यह अनुरोध किया गया है कि पैनल के उपरोक्त निष्कर्ष की अपीलीय निकाय द्वारा आगे समर्थन किया गया था। तथापि, पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का एक भी निर्यात नहीं हुआ था। इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को पैनल और अपीलीय निकाय के इन निष्कर्षों के आधार पर क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच करनी चाहिए।

99. जहाँ तक चीन ताइपेई का संबंध है घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चीन ताइपेई से कम मात्रा में आयात के बावजूद शुल्क को जारी रखे जाने की आवश्यकता है। यह तर्क दिया गया है कि निर्णायक समीक्षा जाँच की पीओआई के दौरान सूचित आयात की कम मात्रा होने के बावजूद पाटनरोधी शुल्क जारी रखा जा सकता है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि ऐसे कई दृष्टांत हैं जिनमें समीक्षा अवधियों के दौरान आयात नहीं होने/आयात की कम मात्रा के बावजूद प्रथम और अनुवर्ती निर्णायक समीक्षाओं में विदेशी प्राधिकारी शुल्क जारी रखे हुए हैं। आगे यह तर्क दिया गया है कि विभिन्न प्राधिकारियों के वे निर्णय स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि निर्णायक समीक्षा के समय पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना के प्रश्न पर भी वैश्विक जाँच प्राधिकारी विचार करते हैं और अभी इसके लिए पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लागू है अथवा समीक्षा अवधि के दौरान आयात की मात्रा निर्णायक समीक्षा जाँचों में कम परिणाम/संगतता/महत्व की है।

100. घरेलू उद्योग ने आगे तर्क दिया है कि वर्तमान मामलों में उत्पादक और चीन ताइपेई के निर्यातकों के पास संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त अधिशेष क्षमता है और अत्यधिक निर्यातोन्मुखी है। इसके अतिरिक्त, ताइवान सीमा शुल्क से एकत्र की गई निर्यात सूचना से यह सिद्ध होता है कि अन्य देशों को संबद्ध उत्पाद का काफी निर्यात हुआ है। इसलिए, चीन ताइपेई से आयात पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने से पाटित कीमतों पर भारत में उत्पाद का महत्व बढ़ेगा।

## ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

101. किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार का कोई संगत अनुरोध और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग से अनुरोध नहीं किए गए हैं।

## ड.3 हितबद्ध पक्षों के प्रकटन के बाद के अनुरोध

102. घरेलू उद्योग ने प्रकटन के बाद के अपने अनुरोध में तर्क दिया है कि चूंकि वर्तमान मामला निर्णायक समीक्षा जाँच का है, शुल्क की राशि समान रहनी चाहिए क्योंकि उसकी सिफारिश पूर्ववर्ती निर्णायक समीक्षा जाँच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई है। यह तर्क दिया गया है कि वर्तमान मामला उपयुक्त मामला है जिसमें मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को संशोधन किए बिना निम्नलिखित कारणों से आगे बढ़ाया जाना चाहिए

- चीन के मामले में, जाँच से स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ है कि निम्नलिखित तीन रूपों - (क) अनकट फेब्रिक, (ख) अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रश नैरो वोवेन फेब्रिक्स और (ग) तीसरे देशों से यानांतरण में विचाराधीन उतपाद के भारी आयात हुए हैं। इन तीन रूपों के आयात को पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की मात्रा पाटनरोधी शुल्क के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रतिनिधि नहीं है। चीन में विचाराधीन उतपाद के अधिकांश आयात इन तीन रूपों में हुए हैं। केवल चीन से कुल आयातों (प्रत्यक्ष और यानांतरण) की केवल कुछ मात्रा में प्रयोग के लिए तैयार फेब्रिक के आयात हैं और उसका प्रयोग पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए किया गया है। अधिकांश आयात या तो अनकट फेब्रिक या अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रश नैरो वोवेन फेब्रिक के रूप में या तीसरे देशों से यानांतरण के रूप में हैं। ऐसे मामले में, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की राशि संभावित स्थिति की प्रतिनिधि नहीं है और इसलिए वर्तमान मामले में एडीडी की राशि को बदलना उचित नहीं होगा। वैकल्पिक रूप से प्राधिकारी इन आयातों पर विचार कर सकते हैं और उसके बाद पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन और पाटनरोधी शुल्क की राशि निर्धारित करें।
- ताइवान के मामले में, जाँच से स्पष्ट रूप से पता चला है कि ताइवान सीमाशुल्क में सूचित निर्यात की मात्रा भारतीय सीमाशुल्क में सूचित निर्यातों की मात्रा से काफी अधिक है। इसके अलावा ताइवान सीमाशुल्क में बताई गई निर्यात कीमत भारतीय सीमाशुल्क में सूचित भारतीय कीमत से वास्तव में कम है। ऐसे मामले में पाटनरोधी शुल्क में बदलाव करना उचित नहीं होगा और मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का ही विस्तार किया जाए।
- संबद्ध देश से आयातों की मात्रा एडीडी के कारण कम स्तर तक घट गई है। ऐसे मार्जिनों के आधार पर पाटनरोधी शुल्क को हटाये जाने से पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति की पुनरावृत्ति होगी। निर्णायक समीक्षा का उद्देश्य एडीडी की समाप्ति की स्थिति में संभावित स्थिति पर विचार करना है और इसलिए वर्तमान कीमतें संभावित स्थिति को नहीं दर्शाती हैं।
- पूर्ववर्ती जाँच में निर्धारित मार्जिनों के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाना अधिक उपयुक्त होगा और उनकी वास्तविक कीमत को दर्शाएगा और पाटन पर रोक लगाने में सक्षम होगा।
- नियमावली में इस बात के निर्धारण का उपबंध है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को आगे बढ़ाया जाए। इसका अर्थ है कि क्या शुल्क का विस्तार किया जाए अथवा नहीं। यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यवहार में भी पाटनरोधी शुल्क की राशि में बदलाव करने के अवसर का उपयोग किया है, तथापि ऐसा अवसर तब उपलब्ध नहीं है जब मामला पाटन और क्षति की संभावना पर आधारित हो। वर्तमान मामले में एडीडी का विस्तार संभावना पर आधारित है और इसलिए किसी भी मामले में आयातों की मात्रा और कीमत को एडीडी की राशि संबंधी निर्णय लेने के लिए बेंचमार्क नहीं होना चाहिए।
- इस परिपाटी को कनाडा, यूएस और यूरोप जैसे तीसरे देशों में इस निर्णय के लिए अपनाया जाता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाया जाए अथवा नहीं। ये देश पीओआई में भारी आयातों और पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन (ईसी) के मौजूदा पाटनरोधी शुल्क से काफी कम होने पर भी पाटनरोधी शुल्क में कोई बदलाव नहीं करते हैं।
- ऐसे पूर्व उदाहरण उपलब्ध हैं जिनमें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने शुल्क की उसी राशि का विस्तार किया है जैसी उनकी मूल/पूर्ववर्ती जाँच में सिफारिश की गई थी जबकि समीक्षा मामलों में पाटन मार्जिन मूल/पूर्ववर्ती जाँचों में निर्धारित मार्जिन से कम रहा था।

#### ड.4 प्राधिकारी द्वारा जाँच

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों, विशेष रूप से चीन ताइपेई, से आयात की कम मात्रा के कारण प्रत्यक्ष रूप से अधिकांश वास्तविक और वित्तीय प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब नहीं हुआ। कम आयात स्पष्ट रूप से इन देशों के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण हैं। जाँच यह भी दर्शाती है कि कुछ अन्य देशों से आयात बढ़ा है और यह आयात प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध देशों के एक देश अर्थात् चीन पीआर मूल का है। चीन पीआर की सरकार अथवा उन देशों की सरकारों, जिनके जरिए वस्तुएं निर्दिष्ट रूप से ट्रांशिपमेंट की जा रही हैं, सहित किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा खंडन नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, अनकट हूक और टेप्स की कुछ मात्रा चीन पीआर से भी निर्यात की जा रही है। पीओआई के बाद के आंकड़े कुछ मात्रा और कीमत रूख के जारी रहने को दर्शाते हैं और उक्त रूख के जारी रहने की संभावना है। इसलिए शुल्क के समाप्त किए जाने और समाप्त हो जाने पर यह संभावना है कि इस प्रकार का सभी आयात चीन पीआर से सीधे और फिनिशड रूप में आयात आना शुरू हो जाएगा। इसलिए यदि शुल्क समाप्त किया जाता है अथवा समाप्त हो जाता है तो चीन पीआर से आयात की मात्रा में आसन्न संभावित वृद्धि 33% से कम मांग को पूरा करते हैं जबकि चीन पीआर (निर्दिष्ट ट्रांशिपमेंट सहित) से पाटित आयात घरेलू मांग के 37% से अधिक है। यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो चीन से आयात के हिस्से में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

104. चीन पीआर से आयातों का कीमत स्तर दर्शाता है कि पाटनरोधी शुल्क को लागू किए बिना ये कीमतें अंडरकटिंग थी और घरेलू उद्योग की कम विक्रय कीमतें हैं। यद्यपि पाटनरोधी शुल्क के कारण यह घरेलू उद्योग को काफी प्रभावित नहीं करता क्योंकि शुल्क भुगतान उतराई मूल्य का कीमत अंडरकटिंग अथवा कम विक्रय प्रभाव नहीं होता। तथापि, शुल्क समाप्त किए जाने पर आयातों की पर्याप्त अंडरकटिंग कीमत होगी और घरेलू उद्योग, जिसका अब भी बाजार हिस्सा कम है, को आयात कीमतों के साथ अपनी बेंचमार्क कीमतें लागू करनी होगी। उन कीमतों पर घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और अन्य वित्तीय प्राचलों के काफी प्रभावित होने की संभावना है इसलिए चीन पीआर मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर शुल्क को समाप्त किया जाता है अथवा समाप्त हो जाता है तो क्षति की पुनरावृत्ति की स्पष्ट और आसन्न संभावना है।

105. तथापि, जहाँ तक चीन ताइपेई का संबंध है पीओआई के दौरान आयात नगण्य और उच्च कीमतों पर है। यदि पाटनरोधी शुल्क को ध्यान में नहीं रखा जाता है तब भी इन आयातों का कोई कीमत अंडरकटिंग अथवा कम विक्रय प्रभाव नहीं होता। यह प्रमाणित करने के लिए कि इस देश से आयातों में पर्याप्त वृद्धि की स्पष्ट और आसन्न संभावना है सिवाय इसके कि ताइपेई सीमा शुल्क आंकड़े उस देश में उच्च निर्यात और कम कीमत पर कुछ अतिरिक्त क्षमताएं दर्शाते हैं। इस तथ्य के बावजूद कि उस देश में कुछ क्षमताएं विद्यमान हैं जोकि भारत को इन वस्तुओं का अधिक निर्यात कर सकेगा उस देश से आयात में कुछ वृद्धि की संभावना है और उसमें पॉलिस्टर से बनी वेलक्रो की कुछ मात्रा भी शामिल हो सकती है, यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा यह प्रमाणित करने के लिए इन वस्तुओं के भारतीय बाजार से बिना पाटित कीमतों पर पर्याप्त प्रवेश करने की संभावना है, कोई सकारात्मक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है। ताइपेई सीमा शुल्क आंकड़ों को मानने पर भी चीन की कीमतों और भारत की कीमतों की तुलना में कीमतें काफी अधिक हैं। घरेलू उद्योग ने कोई विशेष तर्क भी नहीं दिया है कि नायलॉन से बनी हूक और लूप वेलक्रो टेप्स इन उच्च कीमतों पर आयात किस प्रकार हुआ है जिसका भारत में सीमित बाजार है। यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है और बढ़ा हुआ आयात होता है तो यह उसे काफी प्रभावित करेगा। इस देश के विरुद्ध अनकट हूक और लूप टेप्स का अन्य देशों (ट्रांशिपमेंट) के जरिए अथवा निर्यात निर्दिष्ट नहीं किया गया है। चीन ताइपेई के संबंध में पीओआई के पश्चात् के आंकड़े मात्रा और कीमतों की दृष्टि से कोई विशेष परिवर्तन नहीं दर्शाते हैं। इसलिए प्राधिकारी का मत है कि यदि शुल्क का निरसन किया जाता है तो चीन ताइपेई से आयात के कारण क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना का कोई स्पष्ट पूर्वानुमान और आसन्न नहीं है।

106. घरेलू उद्योग ने प्रकटन के बाद के अनुरोधों में यह तर्क दिया है कि पूर्ववर्ती निर्णायक समीक्षा में लगाये गये शुल्क को बदलाव के बिना दोनों देशों के विरुद्ध बढ़ाया जाना चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि चीन के मामले में, जांच से स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ है कि निम्नलिखित तीन रूपों - (क) अनकट फेब्रिक, (ख) अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रशय नैरो वोवेन फेब्रिक्स और (ग) तीसरे देशों से यानांतरण में विचाराधीन उत्पाद के भारी आयात हुए हैं।

**107.** प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि अनकट हुक और लूप वेलक्रो को विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा माना गया है तथापि अप्रसंस्कृत, अनबांडेड, अनकट और अनब्रशड नैरो वोवेन फेब्रिक्स को विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा नहीं माना गया है। इसके अलावा यद्यपि कथित यानांतरण वस्तुएं पर संभावना निर्धारण के लिए विचार किया गया है तथापि यह प्रवचन रोधी जाँच नहीं है इसलिए इन यानांतरित वस्तुओं पर आधारित कोई निर्धारण नहीं किया जा सकता है। तथापि पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर आधारित चीन से आयातों के विरुद्ध किया गया वर्तमान पाटन और क्षति मार्जिनों का सकारात्मक निर्धारण अधिक नहीं था। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी ने अगले पाँच वर्षों के लिए लागू शुल्क को निरंतर संशोधित किया है। केवल तभी जब किसी समीक्षा की पीओआई के दौरान कम आयात हुए हों जो पाटन और क्षति मार्जिन के तर्कसंगत निर्धारण की अनुमति नहीं देते हों परंतु पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की कोई संभावना अन्य कारकों पर निर्धारित हो, तो प्राधिकारी पूर्ववर्ती शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हैं। जहां तक चीनी ताइपेई का संबंध है मामले के तथ्यों में प्राधिकारी का निष्कर्ष है इस देश से निर्यातों के कारण क्षति की कोई संभावना नहीं है। अतः प्राधिकारी को संशोधन के बिना पूर्ववर्ती शुल्क को जारी रखने के घरेलू उद्योग के तर्कों में कोई सत्यता नहीं लगती है।

#### ढ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

**108.** सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय घरेलू बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनःस्थापित हो सके। वर्तमान मामले में मैसर्स स्काई इंडस्ट्रीज, पिछले मामले में मूल आवेदक ने उत्पादन बंद कर दिया है और संबद्ध वस्तुओं का एक निर्यातक बन गया है। वर्तमान आवेदक ने पाटनरोधी शुल्क संरक्षण के अंतर्गत 2010-11 में अपना संयंत्र स्थापित किया है और अपनी क्षमताएं बढ़ाई हैं। कुछ अन्य इकाइयां भी मध्यवर्ती चरण से संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए आई है। यदि पाटन आयात के काफी मात्रा में जारी रहने की अनुमति दी जाती है तो ये प्रयास काफी प्रभावित होंगे जोकि घरेलू उपभोक्ताओं के हित में नहीं होगा क्योंकि घरेलू बाजार, घरेलू क्षमताएं और उत्पादन घरेलू मात्रा की 50% से कम होने के कारण घरेलू बाजार में मांग आपूर्ति अंतर काफी है।

#### ण. निष्कर्ष और सिफारिशें

**109.** प्राधिकारी ने यह निर्णायक समीक्षा जाँच कानूनों के अनुसार शुरू की है और आयोजित की है और घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति के बीच वर्तमान पाटन, क्षति और आकस्मिक लैंक और संबद्ध देशों से पाटन के जारी अथवा पुनरावृत्ति की संभावना और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू को परिणाम क्षति की जाँच की है।

**110.** अपने हितों की रक्षा करने के लिए सभी हितवद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के पश्चात् नियमों के संगत प्रावधानों के अनुसार जाँच पूरी किए जाने पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे हैं:

(क) जाँच अवधि के दौरान चीन पीआर से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा। तथापि, चीन ताइपेई से आयात पाटन कीमतों पर नहीं पाया गया।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटन आयात की कोई मात्रा अथवा कीमत प्रभाव नहीं और जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को भारी क्षति नहीं हुई क्योंकि इस अवधि के दौरान पाटन संरक्षण शुल्क उपलब्ध था। तथापि, कुछ प्राचलों में मामूली गिरावट आई थी।

(ग) यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो चीन पीआर से पाटन के जारी रहने और सघनता की स्पष्ट संभावना है और यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो इस प्रकार के पाटन आयातों के कारण क्षति की पुनरावृत्ति की आसन्न संभावना है।

(घ) चूंकि चीन ताइपेई से वृद्धित आयात की संभावना है इसलिए उस देश से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य के तथ्यात्मक मैट्रिक्स में प्रमाणित नहीं की जा सकती है और इसलिए शुल्क के निरसन की स्थिति में चीन ताइपेई से इस प्रकार के आयात के कारण क्षति की पुनरावृत्ति की स्पष्ट और सन्निकट संभावना नहीं है।

**111.** इसलिए इस निष्कर्ष में रिकॉर्ड किए अनुसार मामले के तथ्यात्मक मैट्रिक्स में प्राधिकारी का मत है कि और पाँच वर्ष की अवधि के लिए चीन पीआर के मूल की अथवा से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर शुल्क लगाए रखने की आवश्यकता है। तथापि, चीन ताइपेई के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर शुल्क को लगाए रखने



की कोई आवश्यकता नहीं है।

112. तदनुसार, प्राधिकारी अधिनियम और नियमावली की शर्तों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा इसके लगाए जाने की तारीख से और पाँच वर्ष की अवधि के लिए नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम संख्या 8 में उल्लिखित अनुसार पाटन के मार्जिन के कम और इस जाँच में निर्धारित क्षति के बराबर चीन पीआर के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने को जारी रखने की सिफारिश करते हैं।

#### शुल्क तालिका

क्र.सं.	उक्त शीर्ष अथवा प्रशुल्क मद	वस्तुओं का विवरण	उदगम देश/क्षेत्र	निर्यातक देश/क्षेत्र	उत्पादक	निर्यातक (निर्यातकों)	शुल्क राशि	मापन ईकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	580610	नैरो वीवेन फैब्रिक्स हुक एण्ड लूप वेलक्रो टेप्स **	चीन पीआर	कोई भी	कोई भी	कोई भी	1.87	कि.ग्रा.	यूएस\$
2	580610	नैरो वीवेन फैब्रिक्स हुक एण्ड लूप वेलक्रो टेप्स**	कोई भी	चीन पीआर	कोई भी	कोई भी	1.87	कि.ग्रा.	यूएस\$

\*\*पूर्णतया प्रसंस्कृत लेकिन अन कट हुक और लूप टेप फास्टनर सहित। तथापि, इसमें अप्रसंस्कृत, अन-ब्रांडेड, अन कट और अन ब्रुश संकीर्ण बुनाई वाले फैब्रिक शामिल नहीं होंगे।

113. निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों से केंद्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध उत्पन्न अपील इस अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण (सीसेट) से समक्ष लाई जाएंगी।

114. अधिनियम और नियमावली के संबंधित प्रावधानों के अनुसार इसमें समय-समय पर अनुसंधित तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार निश्चित उपायों को जारी रखने, संशोधन और समाप्त करने के लिए प्राधिकारी समीक्षा कर सकते हैं। इस प्रकार की समीक्षा के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रयोजन के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा यह अनुरोध नहीं किया जाता।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

#### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department Of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd September, 2016

#### Final Finding

**Subject: Second Sunset Review of the anti-dumping duty in force on imports of Narrow Woven Fabric originating in or exported from China PR and Chinese Taipei.**

**F. No. 15/14/2015/DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

**A. Background of the Case**

1. Whereas having regard to the above Rules the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) initiated an anti-dumping investigation against import of Narrow Woven Fabric originating in or exported from China PR and Chinese Taipei on 9th June, 2004 and preliminary findings were issued by the Authority on 10th January, 2005. Provisional duties were imposed on 14th February, 2005. The Authority issued its final findings on 7th June, 2005 recommending imposition of definitive duties and duties were imposed vide Customs Notification dated 25th July, 2005.
2. Thereafter, the Authority initiated a sunset review investigation on 20<sup>th</sup> August, 2009 to examine whether cessation of anti-dumping duty was likely to lead to continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry and whether the anti-dumping duties were required to be extended further. The Designated Authority issued its Final Findings vide Notification No 15/9/2009-DGAD dated 19<sup>th</sup> August, 2010 and definitive anti-dumping duties were extended by the Central Government vide Customs Notification No 108/2010 dated 6<sup>th</sup> October, 2010 for a further period of five years. The duties were valid till 5<sup>th</sup> October, 2015.
3. Before expiry of the above duty M/s. Ishi Industries Limited filed an application before the Designated Authority for initiating a sunset review of the anti-dumping duties on import of the above goods from the above countries, imposed vide Customs Notification No 108/2010 dated 6<sup>th</sup> October, 2010. The petitioners alleged likelihood of continuation or recurrence of dumping of the above goods, originating in or exported from the People's Republic of China and Chinese Taipei (herein after referred to as the subject countries) and consequent continuation or recurrence of injury to the domestic industry and requested for review for continuation and enhancement of the anti-dumping duties.
4. In accordance with section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-Dumping Rules, the Authority initiated a sunset review investigation, vide Notification No. 15/14/2015-DGAD dated 1<sup>st</sup> October 2015 to examine whether the expiry of the said duties on the import of the above goods originating or exported from the above countries is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The duty was extended by the Department of Revenue till 5<sup>th</sup> October, 2016, vide Notification No.52/2015-Customs (ADD), dated 28<sup>th</sup> October, 2015.

**B. Procedure**

5. The procedure described below has been followed with regard to the subject investigation:
  - i. The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the sunset review investigations in accordance with Rule 6(2).
  - ii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non- confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
  - iii. The Authority forwarded copies of the public notice to the following known manufacturers/exporters in the subject countries (whose names and addresses were made available to the Authority by the petitioner) and provided opportunity to make its views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4).

**CHINA**

1. Taiwan Jianxin Weaving Company Ltd.
2. Zhejiang Hongming Weaving Ribbon Co Ltd.
3. Baihe Holding Co Ltd.
4. Hangzhou Sanxin Textile Co., Ltd.
5. Yiwu Huali Weaving Company
6. F & T Narrow Fabric Co. Ltd.
7. Shenzhen Dongsanxin Textile Co. Ltd.

**TAIWAN**

1. Taiwan Paiho Ltd.
2. Taiwan Special Tape Company
3. Lovetex Industrial Corporation

4. Taiwan Joca Corp
5. Chico Textile Industries Co. Ltd.
6. Nam Liong Enterprise Co. Ltd.
7. Hua Tai Special Webbing Co., Ltd.
- iv. China being a Non-Market Economy country, a Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit. While for the purpose of initiation the normal value in China was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed the known producers/exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of Para 7 and Para 8 of Annexure I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were, therefore, requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of Annexure I referred above to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to the cooperative exporters/producers in that country.
- v. None of the producers/exporters of the subject goods in the subject countries have filed any questionnaire responses:
- vi. The Authority forwarded copies of the public notice to the following known importers/consumers of subject goods in India (whose names and addresses were made available to the authority by the applicants) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter, in accordance with the Rule 6(4):
  - i. Ambattur Clothing Ltd.
  - ii. Autoliv IFB India Ltd.
  - iii. Hindutch Overseas Ltd.
  - iv. Jai Expo
  - v. S M Apparels Pvt. Ltd.
  - vi. Sun & Ski Exports Pvt. Ltd.
  - vii. Aasar Global
  - viii. Jawahar Lal Phool Chand
  - ix. Bhavan Garments Ltd.
  - x. Shridi Exports
  - xi. Continental Pens
  - xii. S R S Suits
  - xiii. Giria Enterprises Pvt. Ltd.
  - xiv. International Textiles
  - xv. Balu Expo
  - xvi. D. G. Enterprises
  - xvii. Paramount Garments Exports Pvt. Ltd.
  - xviii. Parma International
  - xix. Fashion Creations
  - xx. Shiv Shakti Impex
  - xxi. Country Craft
  - xxii. Gagan International Associates
  - xxiii. Shikhar Enterprises
  - xxiv. Niyaz Apparels
  - xxv. Dewanchand & Co.
  - xxvi. Rajdhani Sales Corporation
  - xxvii. Sky Industries
  - xxviii. Carbon Labs
- vii. The Authority also wrote to the other known producers of the subject goods in India, as per the information provided by the petitioner, to provide information relevant to this investigation. The following producers have provided their domestic production and sales data:
  - a. M/s. Sky Industries Ltd.
  - b. M/s. Sidhartha Filaments Pvt. Ltd.
  - c. M/s. Magic Fasteners Ltd.
  - d. M/s. Gajanand Elastic Lace Works
- viii. M/s. Magic fasteners have supported the petition. M/s Sky Industries Ltd., was the petitioner in original and first sunset review investigations. However, they have intimated the Authority that they are no longer in production of the subject goods because of certain labour issues but they have supported to the present investigation.

- ix. One of the other producers of the subject goods i.e., M/s. Samraj Global has filed certain submissions supporting the sunset review but opposing the demand of the petitioner for extension of the anti-dumping duty to unprocessed Narrow Woven Fabrics at intermediate stage used in manufacturing of finished goods i.e., Velcro Tapes, which is the subject-matter of the present investigation.
- x. None of the importers of the subject goods has filed any questionnaire response in this matter.
- xi. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review investigation is April 2014 to March 2015 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI. Further, the Authority has also examined the Post-POI data (April – September 2015), to the extent possible, to analyze the trends for the purpose of likelihood assessment.
- xii. Transaction-wise imports data for the period of investigation and preceding three years was procured from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and has been relied upon for the analysis in this investigation. The domestic industry has submitted transaction-wise import data obtained by them which has been placed in the public folder.
- xiii. Exporters, producers, importers and other parties concerned with the subject goods, who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have not been treated as interested parties in this investigation.
- xiv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties, in the form of a public file kept open for inspection by the other interested parties as per Rule 6(7).
- xv. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xvi. The Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in public hearings held on 29<sup>th</sup> July, 2016. All the interested parties attending the hearings were requested to file written submissions/rejoinders of the views expressed orally.
- xvii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been examined and addressed in this finding.
- xviii. The Authority, during the course of investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties, which forms the basis of these findings to the extent possible and conducted on-the-spot verification at the premises of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary.
- xix. Information provided by the interested parties on confidential basis were examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xx. In accordance with the Rules the Authority issued a disclosure statement containing all essential facts of the case on 12<sup>th</sup> September, 2016 for the comments of the interested parties. The comments of the interested parties, to the extent they are relevant, have been addressed in this finding in appropriate places.
- xxi. \*\*\* in this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxii. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.61.69 = 1US\$.

### C. Scope of Product under consideration and like article

- 6. The product under consideration in the Final Findings of the original investigation dated 7<sup>th</sup> June, 2005 was described as follows:

*“The Product under consideration in the present investigations is “narrow woven fabric having pile weave, made up of manmade fibers, used as a fastening tape” (henceforth also referred to as subject goods). In market parlance, the subject goods are known by various synonyms such as “Hook & Loop Tape Fasteners”, “Velcro Tapes”, “Fastening Tapes”, “Fasteners” etc. The distinguishing feature of the product is “pile weave”. The subject goods are described in terms of Peel Strength, Shear Strength and Light Fastness. Hook and Loop fasteners are generally made from manmade fibers (yarns) nylon (Nylon 6 and Nylon 6,6), polyester etc. The product under consideration is produced in sizes typically varying between 12mm to 125mm of width. Further, while the product is sold in the market place in terms of*

*length of the product (measured in meters) and the associated costs and prices of various product types vary with width, the same becomes almost homogenous when converted into weight. The major uses of the subject goods are in industries such as garment industries, surgical & orthopedic apparatus manufacturing, shoes & footwear manufacturing, luggage/bags manufacturing, toys, automobile upholstery and various other industrial segments. Narrow Woven fabric is classified under customs Sub-heading 580610 of the Customs Tariff Act 1975. After the provisional findings, M/s. Country Craft, importer, asked the Authority to clarify whether the investigation has been performed only on hook and loop tape, whereas the notification mentions the entire chapter. The Authority confirms that Anti-dumping investigations have been conducted with regard to the product under consideration only as mentioned above (also referred to as subject goods) and as stated in the initiation notification, as well as in the preliminary findings, and the customs classification is indicative in nature and is in no way binding on the scope of the investigation."*

7. Present investigation being a sunset review investigation, the product under consideration would remain the same as has been defined in the original investigation. However, the petitioning domestic industry has raised certain issues regarding the scope of the product under consideration which has been examined as follows:

#### **C.1 Views of the domestic industry**

8. The petitioning domestic industry has submitted that after imposition of anti-dumping duties significant volumes of the subject goods in uncut/unfinished form are being exported from the subject countries. The petitioner has *inter alia* argued
  - That the product under consideration is "narrow woven fabric having pile weave, made up of man-made fibers, used as a fastening tape". In market parlance, the subject goods are known by various synonyms such as "Hook & Loop Tape Fasteners", "Velcro Tapes", "Fastening Tapes", and "Fasteners" etc. The distinguishing feature of the product is "pile weave".
  - That uncut Hook & Loop Tapes are nothing but an incomplete/unfinished hook & loop with only the finishing operations of cutting the hook left un-done and therefore, they are part of product under consideration. Significant imports of Hook & Loop tapes are being reported in India at present without undertaking cutting operations in exporting countries. Given the level of activity involved in this, anti-dumping duty should be charged on these imports.
  - That there are imports of the product where the operation of cutting the Hook has not been carried out in China and has been left to be carried out in India. The tape is passed through machining known as hook cutting and slitting machine. The cost involved in these operations requires a small investment only for the slitting machine. The process of cutting Hook is almost no production process.
  - That reports issued by (i) The Bombay Textile Research Association, (ii) Sasmira (The Synthetic & Art Silk Mills' Research Association), (iii) Northern India Textile Research Association and (iv) Laboratories Textiles Committee, Ministry of Textiles clarify that uncut hook & loop tape is nothing but hook & loop tape fastener.
  - That uncut Hook was not excluded from the scope of product under consideration. The Customs Authorities have interpreted that anti-dumping duty does not apply on such uncut hook and therefore, dumping has significantly shifted to uncut hooks.
  - That there were no imports of the PUC in uncut form at the time of original investigations and even at the time of sunset review investigation. Imports of PUC in uncut form have been made only in the recent period.
  - That if uncut Hook & Loop tape *de-facto* constitutes Hook & Loop tape fastener, it is evident that the same shall constitute the PUC. The PUC has not been defined as "ready to use" Hook & Loop tape fastener. Since uncut hooks are nothing but an incomplete /unfinished hook and loop with only finishing operation of cutting the hook left undone. Therefore, it is the product under consideration and the Authority should clarify the same in its finding.
  - That clarification of the product under consideration is different from enlargement of the scope of the product under consideration.
9. In the post disclosure submissions, the petitioner has mostly reiterated its arguments regarding the scope of the product under consideration and has *inter alia* argued as under:
  - That while product under consideration is used as a fastening tape, the description of the product under consideration cannot be limited to ready to use tape only. The scope of the product under consideration should not be given a narrow explanation, which might permit evasion of anti-dumping duty. The scope of the product under consideration should be given a widest possible explanation to avoid evasion of anti-dumping duty. Evasion of anti-dumping duty is neither in the interests of the Govt. of India nor in the interest of

domestic industry, nor in the interests of public at large;

- That clarifying the scope of the product under consideration is different from expanding the scope of the product under consideration. While the Designated Authority cannot expand the scope of the product under consideration it can clarify the scope of the product under consideration. Petitioner has however, requested clarifying the scope of the product under consideration only;
- That the Authority has considered that there is substantial processing from the stage of unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics to the finished ready to use fabric. There appears no factual basis for the same;
- Price difference between the import price of different types cannot be used a parameter for the present purpose. The price might be affected by varying degree of dumping of different product type. The relevant parameter is difference in cost of production;
- That when the petitioner is undertaking full-fledged production process, and when the major conversion costs involved are in fabric making, it is impossible that the other producer would incur so significant costs.
- That the US has considered certain tests for holding whether a new product type sought to be imported constitute a product type within the scope of PUC or it constitutes a different product type beyond the scope of PUC. When applied on the above touch stone, it would be seen that this so called unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics form is nothing but a form of product under consideration and it would be appropriate to clarify the scope of product under consideration to include this form.

## **C.2 Views of other interested parties**

10. M/s Samraj Global, one of the manufactures of Velcro Tapes from the fabrics stage, in its submissions, has opposed the demand of the petitioner for extension of the antidumping duty to unprocessed narrow woven fabrics, in its intermediate stage, used in production of finished Velcro Tapes. They have submitted that they import narrow woven fabrics which is at intermediate stage, i.e., woven and dyed only, which is further processed to produce Velcro Tapes or Hook and Loop Fasteners after various processes. It has been argued that at least 10 processes are involved in making Velcro Tapes or Hook and Loop Fasteners from Woven and Dyed fabrics and that involves about 40% Value Addition.

## **C.3 Examination by the Authority**

11. The above claims and counterclaims have been examined during the verification of the production units of the petitioning domestic industry located near Mumbai as well as that of M/s Samraj Global located near Viwadi.
12. It has been noted that the petitioner produces the goods from the yarn stage. Polyester and Nylon Yarns are woven into the narrow woven fabrics with pile and mushroom weave (for loop and hook formation) of different widths. The woven fabrics are then dyed, straightened and rolled, and then treated with chemicals (glue bonding and thermosetting) to achieve required toughness. Piled and processed narrow woven fabrics are then passed through the brushing and raising machines to raise the piles to required height to convert to female tape. Mushroomed fabrics are passed through the hook cutting machines to form the Hooks or male tapes. Both the hook and loop fabrics are then slit into tapes of required width and length and packed and sold as Velcro Tapes as a set of hook and loop tapes.
13. On the other hand, the other producer, i.e., M/s Samraj Global starts its production from unprocessed narrow woven fabrics, untreated and without glue bonding, which they import. Raw narrow woven fabrics go through the same processing as followed by the petitioning domestic industry and this company has same processing line. The company has claimed that these processing steps involve substantial value addition. The domestic industry has disputed the claim of value addition through this process. It has been argued that their own cost as a manufacturer would establish that the value addition at this stage would not support the claim of this producer having substantial processing/value addition. The Authority notes that this is not an anti-circumvention proceeding. Therefore, the examination of this aspect is beyond the scope of this investigation.
14. The above clearly indicates that the petitioning domestic industry is a producer of hook and loop fastener or velcro tapes and sells hook and loop fasteners only. Though it weaves narrow woven fabrics with pile weave as an intermediate product, it does not sell narrow woven fabrics as such in the market. The description of PUC as defined in the original investigation and followed in the subsequent reviews clearly indicates that the product originally investigated and on which the duties are in force cover only the finished products and not the raw unprocessed narrow woven fabrics as such. The arguments of the domestic industry as above also clearly indicates that the product on which the duty is in force is hook and loop fasteners / velcro tapes and not unfinished narrow woven fabrics.
15. In its post disclosure submissions, the domestic industry has argued that while product under consideration is used as a fastening tape, the description of the product under consideration cannot be limited to ready to use tape only.

However, they have not disputed the fact that they are the producers of hook and loop fasteners only and therefore, they could not have asked for investigation for an intermediate product which is used for producing hook and loop fasteners. Therefore, this argument of the domestic industry that the scope of the product under consideration covers the intermediate product is not valid.

16. The price difference between the finished goods and uncut/unfinished goods, as per the import data, does not appear to support the argument of the domestic industry that the alleged import of semi-finished products, (as indicated in the transaction descriptions) are just uncut subject goods and only cutting operation is required to be carried out to convert it into the finished good. However, during the public hearing the petitioning domestic industry produced some samples of alleged imported goods which appeared to be uncut loop and hook fabrics. They were actually fully processed, glue bonded and piles brushed and raised with only hook cutting left. Petitioner has submitted certificates issued by several testing authorities in support of its claim that these uncut Hook & Loop Tapes are nothing but part of product under consideration.
17. Examination of the above arguments and certificates of testing agencies indicate that fully processed but uncut Hook & Loop Tape Fasteners have all the properties of the finished velcro tapes except the hook cutting. These uncut hook and loops appear to have no other use except being used as hook and loop fasteners. Therefore, the Authority is of the view that these fully processed but uncut hook and loop tapes are covered under the scope of the product under consideration being alike in all essential characteristics.
18. As far as unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics, which is an intermediate stage of manufacturing the hook and loop velcro tapes, after substantial processing do not clearly fall within the scope of the product under consideration. Therefore, inclusion of this intermediate product would amount to expanding the scope of the production. The Authority has consistently held that in a sunset review the product under consideration cannot be expanded to cover products or product types and/or variants thereof, not covered in the original investigation, in spite of clear evidence of shift in import patterns.
19. The Authority further notes that any import of products of a prior stage or a value added stage, apparently to circumvent the duties against the product under consideration in an investigation, is the subject matter of a separate investigation under a separate set of provisions under the Rules and cannot be addressed in a review of this nature. Therefore, if the petitioning domestic industry is affected by import of narrow woven fabrics in any other form or stages of processing, which has the effects of circumvention of the duties, it is open to the petitioning domestic industry to initiate appropriate anti-circumvention proceedings under the relevant provisions of the Law. In view of the above the contentions of the petitioning domestic industry that all forms of uncut narrow woven fabrics should be covered under the scope of product under consideration by way of a clarification by the Authority has not been accepted. However, fully processed and finished hook and loop tapes left uncut has been held to be covered under the scope of the product under consideration in view of the reasons recorded above.
20. No relevant submission has been made by any other producers/exporters/ importers/other interested parties with regard to the scope of the product under consideration (PUC) and like article. This being the sunset review investigation, the Authority holds that the scope of the PUC in the present investigation remains the same as that of the original investigation, subject to the above clarification on the issues.
21. Applicant has submitted that narrow woven hook and loop velcro tapes produced by them is like article to narrow woven hook and loop velcro tapes imported from the subject countries in terms of physical and technical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. The imported product and the domestically produced goods are technically and commercially substitutable, and consumers use them interchangeably. However, the Authority notes that while almost entire imports from Taiwan are nylon narrow woven hook and loop fasteners the petitioning domestic industry produces a very small quantity of nylon narrow woven hook and loop tapes. Production and consumption of nylon narrow woven hook and loop fasteners in the country is very limited.
22. The product under consideration is classified under Chapter 58 of the Custom Tariff Act under the subheadings 580610. However, the customs classification is indicative in nature and is in no way binding on the scope of the investigation.

#### **D. Domestic Industry and Standing**

23. The petition for the sunset review has been filed by M/s. Ishi Industries Limited. Apart from the applicant, the subject goods are produced by M/s. Magic Fasteners Pvt. Ltd., M/s. Sky Industries Ltd., M/s. Sidhartha Filaments Private Limited, M/s. Gajanand Elastic Lace Works and M/s. Riya Texfeb Pvt. Ltd. M/s. Magic Fasteners Pvt. Ltd. and M/s. Sky Industries Ltd. have supported the petition. M/s Samraj Global, who produces the subject goods from fabric stage, has also supported the application but has opposed the argument of the petitioner to extend the duties to intermediate stage. It is noted that the production of the applicant and the supporters constitutes a major proportion of total domestic production of subject goods in India. It is also noted that the applicant has not imported the subject

goods nor are they related to any importer or exporter from the subject countries.

24. No relevant submission has been made by any other producers/exporters/ importers/other interested parties with regard to the standing of the applicants and the scope of the domestic industry. The Authority notes that the domestic industry in the original and first sunset review case constituted M/s. Sky Industries Ltd. However, it has been submitted by the applicant that subsequent to the previous review investigations, M/s. Sky Industries has largely become an importer of the subject goods. A letter from Sky Industries enclosed with the petition supporting the petition also states that Sky Industries is at present not producing the product under consideration, because of some labor issues in their plant. In the meantime, the present applicant has set up manufacturing facilities in India and is engaged in production of the product. The Authority has, therefore, considered the applicant as eligible domestic industry for the purpose of this investigation.

#### **E. Interested Parties to this investigation**

25. Since none of the producers/exporters of the subject goods in the subject countries and importers in India has filed any questionnaire response only the petitioner and the supporting producers, as listed in para 5 (vii) above, and M/s Samraj Global alongwith the Governments of the responding countries have been treated as interested parties to this investigation.

#### **F. Other Issues raised by the domestic industry and other interested parties**

26. Apart from the above issues the petitioner has submitted that after imposition of antidumping duties on the subject countries a significant volumes of the subject goods originating in China are allegedly being transhipped through other countries i.e., Indonesia, Malaysia and UAE, to circumvent the duties. It has been argued that there are no known production facilities for manufacturer of the subject goods in these countries. Therefore, significant increase in imports from these countries is an indication of transshipment of goods originating in the countries attracting duties, particularly, China. In support of this argument the petitioner has submitted copies of correspondence made to the Embassies of the subject countries in India to provide the details of the producers of the subject goods in those countries. While UAE has confirmed that there are no producers of the subject goods in that country, Malaysia and Indonesia have not responded to the communication. The petitioner has argued that silence of these countries on the issues is an indication of admission of transshipment through these countries as they have not refuted the allegation of transshipment made in the petition. Domestic industry therefore, argues that while assessing the volume of import from the subject countries, the volume of imports from Indonesia, Malaysia and UAE should be added for volume and price impact analysis.
27. The domestic industry has also argued that a significant volume of uncut velcro tapes are also being imported after imposition of duties on the subject goods allegedly to circumvent the duties and therefore, these imports should also be considered for volume impact analysis.

28. The issues have been examined on the basis of DGCI&S import data as follows:

Import Quantity in MT				
Countries	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (POI)
China PR	1,105	860	261	436
Uncut hook and loop	151	330	144	311
Finished Goods	955	530	117	124
Alleged Transshipment				
Indonesia	166	352	397	641
Malaysia	187	288	157	163
U A E	-	52	59	53

29. The data indicates a significant drop in imports from China. While there has been a significant increase in volume of imports from Indonesia, there is decrease in import from Malaysia and imports from UAE remain almost constant. No information has been provided by the Govt. of Indonesia regarding the manufacturing facilities in Indonesia or alleged transshipment. UAE has already confirmed that there is no production of the subject goods in that country. In the absence of any other information from any interested parties, including the Govt.s, of the



responding countries, there appears to be some strength in the arguments of the domestic industry that the subject goods imported from Malaysia, Indonesia and UAE are likely to be of Chinese origin. However, this also appears to be a matter of examination under anti-circumvention provisions to extend the duties to those countries through which the goods are allegedly being shipped to circumvent the duty on China rather than under this review.

30. The representative from Taipei Economic and Cultural Centre, representing the Govt. of Chinese Taipei argued in the public hearing that the performance of the domestic industry has improved and the imports from Taiwan have declined as per IBIS data submitted by the petitioners. There is no injury to the domestic industry and, therefore, there is no need to continue the antidumping duty against this country. It was also argued that protective measures should not be misused to cause barriers to imports. It was further argued that Domestic industry has selectively used Taiwan Customs data to show high volume of exports of the product from Taiwan, whereas IBIS shows low volume of imports and petitioner has not provided evidence of excess capacity in Taiwan.
31. The above issues raised by Taipei Economic and Culture Centre and other relevant issues raised by the parties to the investigation have been addressed in the respective sections in this finding to the extent they are relevant and supported by evidence.

## **G. Methodology of Determination of current Dumping**

### **G.1 Legal Positions**

32. Section 9A (5) of Customs Tariff Act, 1975 provides that: -

*“The anti-dumping duty imposed under this Section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:*

*Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension;*

*Provided further that where a review initiated before the expiry of the aforesaid period of five years has not come to a conclusion before such expiry, the Anti-dumping duty may continue to remain in force pending the outcome of such a review for a further period not exceeding one year.”*

33. Accordingly, in a sunset review investigation the Authority is required to examine:
  - Whether dumping continues after imposition of the antidumping duty and if so, whether it is likely to continue;
  - In cases where dumping did not continue, whether the dumping would recur in the event of revocation of anti-dumping duties;
  - Whether the domestic industry continued to suffer material injury and if so, whether injury to the domestic industry is likely to continue if the duties are removed;
  - In cases where the domestic industry has not suffered continued injury, whether injury to the domestic industry is likely to recur in the event of revocation of anti-dumping duties.
34. Therefore, the Authority has first proceeded with the examination as to whether dumping of the subject goods continues from the subject countries and whether dumping is likely to continue or recur if the duties are revoked, before examining whether the domestic industry continues to suffer material injury on account of such dumped imports and injury is likely to continue or recur in such a situation.

### **G.2. Examination of Continuation of Dumping: Determination of Normal Values, Export Prices and Dumping Margins.**

35. The Authority notes that none of the producers and exporters from the subject countries has submitted any questionnaire response. In the absence of any credible information from the producers and exporters the current dumping and likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods from these two countries have been examined based on best facts available with the Authority as follows:

#### **(a) China PR**

36. As per DGCI&S import data relied upon 436 MT of Narrow Woven Fabrics (both Velcro and other than Velcro) was imported from China PR during the POI. Out of this quantity only 124 MT was finished goods and rest (311MT) being “Narrow Woven Fabrics other than Velcro”. The price difference between the finished goods, which is the PUC and Narrow Woven Fabrics other than Velcro is quite significant. Therefore, as deliberated in detail in the earlier section, for the purpose of fair comparison and determination of the degree and extent of dumping the export price of the PUC alone has been considered.

**Normal Value**

37. The domestic industry has argued that China being a Non Market Economy and having been treated so by the Authority in various investigations normal value should be determine in terms of Para 7 of Annexure 1 of the Rules. The Authority notes that the petitioner initially suggested determination of normal value for exporters in China on the basis of the price or constructed values in the Market Economy Third Country. Accordingly, the petitioner suggested that Sri Lanka should be adopted as surrogate country and a consent letter from one of the producers from Sri Lanka (M/s S. N. Industries Pvt. Ltd.) offering to co-operate in the investigation for the purpose of surrogate determination was produced. However, subsequently the said producer in Sri Lanka did not produce any information/data for determination of normal value under this provision. Therefore, in the absence of any credible and verifiable information the Authority has proceeded to construct the normal value under the second proviso of Para 7 of the Annexure 1 of the Rules on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include a reasonable profit margin. The imports from China are Narrow Woven Fabrics of mixed fibres. Accordingly, the constructed normal value for China PR has been determined based on the cost of production of like product of the domestic industry, duly adjusted with a reasonable profit which works out as **US\$\*\*\*/ Kg.**

**Export Price**

38. Net ex-works export price of the subject goods exported from China during the period of investigation has been determined on the basis of DGCI&S Import data duly adjusted for domestic and international freight and insurance, commission, bank charges and port handling expenses on facts available basis as follows:

Particulars	UOM	PUC
Import Volume	MT	124
Assessable Value	Rs Lacs	270
CIF Export Value	US\$ Lacs	4.37
Export Price	US\$/Kg	3.51
Ocean Freight	US\$/Kg	0.05
Marine Insurance	US\$/Kg	0.02
FOB Export Price	US\$/Kg	3.44
Commission - 3%	US\$/Kg	0.10
Port Expenses-0.5%	US\$/Kg	0.02
Inland Freight - 0.5%	US\$/Kg	0.02
Bank Charges-0.5%	US\$/Kg	0.02
Net Export Price	US\$/Kg	3.29

**Dumping Margin:**

39. The normal value determined at ex-works level have been compared with the net ex-works export price to arrive at the dumping margin for all exporters in China as follows:

NV US\$/Kg	EP US\$/Kg	DM US\$/Kg	DM %
***	3.29	***	70-80%

**(b) Chinese Taipei**

40. The DGCI&S data relied upon indicates that only 32 MTs of the subject goods have been imported from Chinese Taipei during the POI and the prices are significantly high compared to the other countries. The domestic industry has contended that the imports from Chinese Taipei are of Nylon Narrow Woven Fabrics which are generally high priced. The petitioner produces mostly narrow woven fabrics of mixed fibres. But small quantity of Narrow Woven Fabrics made out of Nylon is also produced. None of the producers or exporters of the subject goods in Chinese Taipei has filed any questionnaire response for determination of the normal value in that country.

Therefore, for the purpose of fair like to like comparison normal value in Chinese Taipei has been constructed based on cost of production of the domestic industry for the Narrow woven fabrics made out of Nylon, duly adjusted and with a reasonable margin of profit. The normal value for Taiwan has been constructed cost by adopting international price of nylon, all other conversion and utility cost as per domestic industry duly adjusted for selling, distribution and finance cost and after allowing a reasonable return of 5% as per practice of the Authority as US\$\*\*\*Kg.

### Export Price

41. Net ex-works export price of the subject goods exported from Chinese Taipei during the period of investigation has been determined on the basis of DGCI&S Import data duly adjusted for domestic and international freight and insurance, commission, bank charges and port handling expenses on facts available basis as follows:

Particulars	UOM	Taiwan
Import Volume	MT	32
Assessable Value	Rs Lacs	293
CIF Export Value	US\$ Lacs	4.75
Export Price	US\$/Kg	14.74
Ocean Freight	US\$/Kg	0.05
Marine Insurance	US\$/Kg	0.07
FOB Export Price	US\$/Kg	14.62
Commission - 3%	US\$/Kg	0.44
Port Expenses-0.5%	US\$/Kg	0.07
Inland Freight - 0.5%	US\$/Kg	0.07
Bank Charges-0.5%	US\$/Kg	0.07
Net Export Price	US\$/Kg	13.96

### Dumping margin:

42. The normal value determined at ex-works level have been compared with the net ex-works export price to arrive at the dumping margin for all exporters in Chinese Taipei as follows:

NV US\$/Kg	EP US\$/Kg	DM US\$/Kg	DM %
***	13.96	(***)	(***)%

43. The Authority notes that the dumping margin during the period of investigation determined for China is significantly above de minimis level and the dumping margin for Chinese Taipei is negative.

## H. Likelihood of continuation or recurrence of dumping

### H.1 Views of the domestic industry

44. The domestic industry, in its submissions has *inter alia* argued

- That there is a history of dumping of the subject goods from the subject countries. After imposition of definitive duty on the subject goods, imports from Chinese Taipei have declined. However, imports from China continue to enter in significant volumes. The dumping has continued in case of China PR and the volume of imports is significant enough.
- That Dumping Margins determined in previous investigations were significant and clearly shows likelihood of dumping and consequent injury in the event of cessation of anti-dumping duty. Even the dumping margins in the present investigation are high.

*Dumping Margin*

Investigation	China	Taiwan
Original	355 %	298 %
SSR-1	40-45 %	25-27 %

- iii. In the event of cessation of anti-dumping duty, these exporters will get a greater opportunity to dump the product under consideration into India, taking away the market share of the domestic industry. The remaining market opportunity for the domestic industry, if taken away by the dumped imports, the Indian producers would be left with no options but to suffer heavy losses to sustain in the market or to close their plants.
- iv. That Chinese product is being transhipped through Malaysia, Indonesia and UAE and if the duties are revoked these goods will start coming directly from China at dumped prices.
- v. That in case of Chinese Taipei, although there is very low import during the injury investigation period dumping is likely to recur in case of cessation of anti-dumping duty. It has been argued that Designated Authority has in previous sunset reviews, initiated investigations and continued anti-dumping duty despite the fact that imports were nil or low in volume on the ground that there was likelihood of recurrence of dumping. Therefore, despite low imports from Chinese Taipei, the duty should be continued.
- vi. That data collected from Taiwan customs showing exports of product under consideration under the Customs classification relevant for the present purposes shows consistent and rising exports of the product under consideration at a price much lower than the price reflected in Indian customs, as would be seen from the table below:

Year	Volume – MT		Value - Rs. Lacs		Rate - Rs./Kg	
	IBIS	Taiwan Customs	IBIS	Taiwan Customs	IBIS	Taiwan Customs
2011-12	19	15	78	112	418	738
2012-13	8	71	43	321	541	451
2013-14	13	164	73	697	574	425
POI	15	163	112	621	753	382

- vii. That it is evident from the above that the import price from Taiwan is much lower than the import price reported by the Indian Customs. In view of significant imports, petitioner made further enquiries in the market and found that the goods being imported from Taiwan are 100% nylon made fabric.
- viii. That in view of the above the Authority should consider Taiwan Customs data for the purpose of injury analysis and calculation of dumping margin for imports from Taiwan.
- ix. That the producers in the subject countries have significant surplus production capacities, and in case of cessation of the present duty, dumping from subject countries would definitely increase and ultimately cause injury to the domestic industry.
- x. Without providing the source the petitioners have provided the following information regarding the capacities and production of some of the major producers of the subject goods in the subject countries in support of their claim. None of the interested parties has contested this claim.

Name of Company	Capacity/MT per annum
Baihe Holding Co Ltd, Zhejiang, China	3,713
Zhejiang Hongming Weaving Ribbon Co. Ltd., China	3,750
Hangzhou Sanxin Textile Co., Ltd., China	900
Chico Textile Industries Co. Ltd., Taiwan	188

Shenzhen Dongsanxin Textile Co Ltd., China	312
Total estimated Production Capacity	8,862

- xi. That the exports were at dumping prices despite existing anti-dumping duty, it is clearly established that in case of cessation of the present duty, exports from the subject countries at dumped prices would definitely increase and ultimately cause injury to the domestic industry.
- xii. That export sale of the product under consideration from subject countries to world is significant. Majority of the producers in the subject countries have been exporting the product under consideration rather than selling in their respective domestic markets; which clearly establishes export orientation of the manufacturers in the subject countries. In the event of revocation of duty, these exporters are likely to increase their exports to India at dumped prices. In support of this claim the petitioners have provided the following information without quoting any source. However, this information also has not been contested by any other interested party. It has been argued that foreign producers are intensely focused on exports and in the event of cessation of duty, these exporters are likely to increase their exports to India at dumped prices.

SN	Name of known foreign producer/exporter	Export Orientation
1	Zhejiang Hongming Weaving Ribbon Co. Ltd., China	30%
2	Baihe Holding Co. Ltd., Zhejiang, China	30%
3	F & T Narrow Fabric Co. Ltd., China	40%
4	Shenzhen Dongsanxin Textile Co. Ltd., China	10%
5	Chico Textile Industries Co. Ltd., Taiwan	30%
6	Taiwan Paiho Limited, Taiwan	80%
7	Hua Tai Special Webbing Co., Ltd., Taiwan	30%

- xiii. That the prices at which subject goods are being imported are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in case of expiry of duty, exporters would further channelize their output in the Indian market as they are already holding excessive capacities and are in fact selling subject goods to third countries at substantially lower prices. All such circumstances would result in likelihood of injury to the Domestic Industry.

## H.2 Views of other interested parties

45. None of the other interested parties have made any submission with regard to the likelihood of continuation or recurrence of dumping.

## H.3 Examination by the Authority

46. It was noted in the previous section that there were no dumped imports from Chinese Taipei during the POI. The dumping margin of the imports from China PR is significant. In view of the above, what is required to be examined in this review is whether the dumping would continue from China PR and recur from Chinese Taipei if the duties are revoked. In the absence of any information from the producers and exporters in the subject countries the Authority has examined the information provided by the domestic industry as follows:
47. As far as China PR is concerned, the Authority notes that significant import of the subject goods is taking place from China PR at dumped prices. Apart from the finished goods, there is also a significantly increased import of uncut hook and loop Velcro tapes which appear to have the characteristics of the finished goods. It also appears that there is a significant import of basic narrow woven fabrics which goes into production of hook and loop Velcro after various processes. If the duties are revoked there is a clear likelihood of the imports shifting back to the finished goods which are currently at dumped prices thereby affecting both the finished good industry both from basic yarn stage as well as from fabric stage.
48. Further there is an allegation of transshipment of significant quantities of the subject goods, originating in China PR, through certain countries. This allegation has not been refuted by any interested party. The prices, at which these goods are entering the Indian market indicate that the imports are at dumped prices. Once the duties are revoked it is likely that these goods would be directly get exported from China PR.
49. Further, the capacities and export intensity of the known producers in China PR indicates these producers would be in a position to continue and intensify their exports to India at similar price levels if the duties are revoked.

50. The post POI data indicates imports are continuing from China PR and at similar price levels.

	Qty in MT		Price in Rs/Kg.	
Countries	2015-16 - H1	2015-16 - H2 Upto Jan	2015-16 - H1	2015-16 - H2 Upto Jan
CHINA P RP	161	156	160	137
Uncut hook and loop	142	140	144	115
Finished Goods	19	16	281	326

51. Therefore, overall analysis of these factors indicates that there is a likelihood of continued dumping from China PR if the duties are revoked.
52. However, as far as Chinese Taipei is concerned, there is practically no import of the subject goods from this country during the injury investigation period. Only a small quantity has been imported during the POI and post POI period but at significantly at high prices in spite of the fact that duties are in force. The goods are of higher quality (Nylon Velcro) and these exports have been found to be at un-dumped prices. This product type is not produced in India in significant volumes.
53. Quoting the Chinese Taipei Customs data, the petitioner has argued that prices, as reported by customs authorities in that country, indicate significantly low prices and if the duties are removed there will be recurrence of dumping at that price. The Govt. of Chinese Taipei has disputed the use of this data. However, this data has not been corroborated with any other evidence. Therefore, this argument of the domestic industry has not been accepted.
54. The current volume of import from Chinese Taipei is miniscule for any meaningful assessment of dumping. However, information on the capacities and export intensity of major producers in this country, as provided by the petitioners, indicates that there is a possibility of increased imports from this country if the duties are revoked as these producers have higher capacities. However, the price levels do not support the argument that there would be a recurrence of dumping from this country.

#### **I. Methodology and Determination of Injury and Causal Link**

55. As noted earlier, in a sunset review investigation, with regard to injury examination, the Authority is required to examine:
- Whether the domestic industry continued to suffer injury and if so, whether injury to the domestic industry is likely to continue;
  - In cases where the domestic industry has not suffered continued injury, whether injury to the domestic industry is likely to recur in the event of revocation of anti-dumping duties.
56. Therefore, the Authority has first examined whether the domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports from the subject countries before proceeding to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in the event of revocation of the duties from the subject countries. Examination of material injury to the domestic industry is in accordance with the Article 3 of the AD Agreement and Annexure II to the AD Rules, 1995.

#### **J. Determination of Injury and Causal Link**

##### **J.1 Submissions by the domestic industry**

57. The domestic industry has submitted that though domestic industry has not suffered material injury during the injury investigation period withdrawal of anti-dumping duty shall lead to injury to the domestic industry.
58. It has been argued that the Designated Authority is required to examine the probable consequence of the expiry of the duty in force. There might be a situation where improvement in the present performance of the Domestic Industry post imposition of anti-dumping duty is due to anti-dumping duty in force. In such a case, the Designated Authority is required to examine likelihood of recurrence of injury to the Domestic Industry apart from examination regarding improvements in the performance of the Domestic Industry as discussed in the preceding paragraphs of this Section. Further, in a case where the Domestic Industry might already be suffering injury, the Authority is required to examine whether likely dumping from the subject country is likely to continue to cause injury to the Domestic Industry.

##### **J.2 Submissions by other interested parties**

59. Authority notes that no submission has been made by any producer/exporter/importer regarding injury and causal link except the submissions on behalf of the Govt. of Chinese Taipei as recorded earlier.

### **J.3 Examination by the Authority**

60. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties and the domestic industry on the injury and causal links and all the averments made have been examined taking into account the facts available on record and applicable law. Accordingly, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood of continuation or recurrence injury on account of imports from the subject countries in the event of cessation of the duties.
61. The Authority notes that though the review is being conducted against two countries the margin of dumping with respect to Chinese Taipei is negative and the product imported from Chinese Taipei during the period of review being significantly different the conditions of competition is not satisfied. Therefore, the current injury to the domestic industry, if any, by dumped imports from these countries has been examined separately.
62. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
63. For the purpose of current injury analysis, the Authority is required to examine the volume and price effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability, to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.
64. The Authority notes that the application for continuation of antidumping duty was initially filed by M/s Ishi Industries and they have been treated as the domestic industry for the purpose of injury investigation in this review.
65. The volume and price impacts of the dumped imports on the physical parameters of the domestic industry have been examined before proceeding to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in the event of revocation of the duties.

#### **a. Volume impact of dumped imports**

##### **(i) Import Volumes & share in Imports**

66. The import data obtained from DGCI&S has been examined to analyse the trend in import volumes and prices and their impact on the domestic industry. The Authority notes the arguments of the domestic industry that there has been significant import of uncut narrow woven fabrics from China, which is nothing but the subject goods and therefore, those imports should also be counted for injury examination. In the previous section the Authority examined the issue and concluded that the subject goods as defined in the previous investigations and which is subject matter of review in the present investigation has been described in such manner that it makes it abundantly clear that the duty is intended to be imposed on the finished narrow woven fabrics which is capable of being used as Velcro Tapes. Therefore, import of unfinished or uncut fabrics as alleged is not within the scope of this investigation. If those unfinished or uncut fabrics are being exported to circumvent the duty the domestic industry is free to petition for initiation of an anti-circumvention investigation as per the relevant provisions of the law. Therefore, for the purpose of the present review only the finished goods, as defined as the product under consideration has been considered for volume and price impact analysis.
67. Further, as noted earlier, the domestic industry has argued that there are significant transshipment of the subject goods originating in China PR through certain countries in order to avoid the duties. The allegation of transshipment has not been refuted by the interested parties and the Governments of the countries concerned. However, this being a subject matter of anti-circumvention investigation this issue has not been addressed here. But for the purpose of likelihood examination both the uncut and transhipped volumes have been considered as these goods are likely to enter the Indian market as subject goods directly in the event of revocation of the duties as a result of this review.
68. The Authority further notes that while imports from China during the POI are at dumped prices, imports from Chinese Taipei are un-dumped imports. However, this being a sunset review for the purpose of likelihood examination all imports from both the countries have been examined for volume and price impact analysis. The DGCI&S import data of the subject goods during the injury investigation period is as under:

Imports Volume	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 H1
<b>China</b>	MT	1,105	860	261	436	161
Uncut/unfinished	MT	151	330	144	311	142
Subject goods	MT	955	530	117	124	19
Alleged Transshipment						
INDONESIA	MT	166	352	397	641	261
MALAYSIA	MT	187	288	157	163	54
U A E	MT	-	52	59	53	-
<b>Total China + Transshipment</b>	MT	<b>1,458</b>	<b>1,553</b>	<b>873</b>	<b>1,293</b>	<b>476</b>
<b>Taiwan</b>	MT	14	5	6	32	30
Other Countries	MT	413	894	618	1,121	589
<b>Total Imports</b>	<b>MT</b>	<b>1,885</b>	<b>2,452</b>	<b>1,497</b>	<b>2,447</b>	<b>1,095</b>

69. The data indicates that subject goods imports from China PR has substantially declined over the injury investigation period and uncut/unfinished goods import does not show any definite trend. Alleged transhipped goods of likely Chinese origin through Indonesia shows significant increase. There is no definite trend as far as import through Malaysia and UAE is concerned. The imports from these two countries remain more or less flat. Imports from Chinese Taipei is very low during the entire injury investigation period. The domestic industry has admitted that the imports from Taiwan are of high priced Nylon Tapes. The production and demand of this product in India is also significantly low. Imports from other countries in fact shows significant increase.

Share in Imports	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 H1
<b>Subject Countries</b>	%	78%	64%	59%	54%	46%
<b>China</b>	%	59%	35%	17%	18%	15%
Uncut/unfinished	%	8%	13%	10%	13%	13%
Subject goods	%	51%	22%	8%	5%	2%
Alleged Transshipment						
INDONESIA	%	9%	14%	26%	26%	24%
MALAYSIA	%	10%	12%	10%	7%	5%
U A E	%	0%	2%	4%	2%	0%
<b>Total China + Transshipment</b>	%	77%	63%	58%	53%	44%
Taiwan	%	1%	0%	0%	1%	3%
Other Countries	%	22%	36%	41%	46%	54%
<b>Total</b>	<b>%</b>	<b>100%</b>	<b>100%</b>	<b>100%</b>	<b>100%</b>	<b>100%</b>

70. The above data indicates that assuming that the uncut/unfinished narrow woven fabrics get converted into finished goods and get shipped directly to India, the percentage share of goods originating in or exported from China PR shows a significant decline throughout the injury investigation period from about 77% to 53% in POI and further to 44% in the post POI period. The imports from Chinese Taipei accounts for less than 1% of the total imports. Imports from other countries show significant rise and account for about 46% of the imports in the POI.



**(ii) Assessment of Demand and Market Shares**

71. Assuming that the uncut/unfinished goods imported to India gets converted to finished goods and consumed in India the demand has been worked out taking into account the uncut/unfinished goods from China as well as imports of finished subject goods from all sources alongwith domestic production of all known producers as per the information available. The demand and market shares estimated are as follows:

Demand	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 H1
Total China + Transhipment	MT	1,458	1,553	873	1,293	476
Trend	Index	100	107	60	89	33
Taiwan	MT	14	5	6	32	30
Trend	Index	100	36	43	229	214
Other Countries	MT	413	894	618	1,121	589
Trend	Index	100	216	150	271	143
DI domestic Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	129	151	173	85
Other Indian Producers	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	74	73	73	38
Total Demand	MT	2,994	3,478	2,593	3,624	1,694
Trend	Index	100	116	87	121	57
Market Share						
Subject Countries	%	49%	45%	34%	37%	30%
Total China + Transhipment	%	49%	45%	34%	36%	28%
Taiwan	%	0%	0%	0%	1%	2%
Other Countries	%	14%	26%	24%	31%	35%
DI domestic Sales	%	***%	***%	***%	***%	***%
Trend	Index	100	117	183	150	158
Other Indian Producers	%	***%	***%	***%	***%	***%
Trend	Index	100	64	84	60	68
Total	%	100%	100%	100%	100%	100%

72. The above data indicates that demand does not show a definite trend. It increased in 2012-13 and then declined to increase again in POI. Market share of the subject countries has declined significantly from about 50% to about 30% whereas the market shares of the other countries and petitioning domestic industry has increased substantially during this period. In fact, the market share of the other domestic producers has fallen from about \*\*\*% to \*\*\*% while share of the petitioner has gone up from \*\*\*% to \*\*\*%. The Authority notes that the major producer of the subject goods earlier, i.e., M/s Sky Industries, has gone out of production because of other reasons.

**b. Price impact of dumped imports****(i) Trend of Import Prices**

73. The import prices of the subject goods imported from various countries during the POI as per DGCI&S data is as follows:

Imports Price	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 H1
<b>Subject Countries</b>	Rs/KG	119	137	156	207	206
<b>China</b>	Rs/KG	85	99	108	152	160
Uncut/unfinished	Rs/KG	54	64	70	126	144
Subject goods	Rs/KG	89	120	154	217	281
Alleged Transhipment						
Indonesia	Rs/KG	299	254	198	207	191
Malaysia	Rs/KG	139	111	128	206	204
U A E	Rs/KG	-	82	92	254	-
<b>Total China + Transhipment</b>	<b>Rs/KG</b>	116	135	151	190	182
Taiwan	Rs/KG	414	665	795	910	579
Other Countries	Rs/KG	422	454	450	453	418
<b>Total</b>	<b>Rs/KG</b>	185	253	278	320	320

74. The data above indicates that the CIF prices of imports from China shows a significant increase during the injury investigation. Only in case of alleged transhipments through Indonesia there is a significant drop in prices. Imports from Chinese Taipei are at very high prices and the prices have increased. Imports from other countries are higher than the prices from China PR and have moved in a very narrow band during the injury investigation period.

(ii) **Price undercutting effect of dumped imports**

75. To examine the price undercutting effects of the dumped imports from China PR the landed values of the imports of the finished goods have been compared with the net sales realisations of the domestic industry. In case of Chinese Taipei, the imports are of Nylon Tapes. Therefore, for the purpose of undercutting analysis the selling price of domestic industry for Nylon tapes have been compared with the landed value of imports from this country.

China PR	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (POI)	Post POI
Landed price of imports	Rs./KG	99.53	133.62	171.65	241.27	312.63
Net Sales Realisation	Rs./KG	***	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD	Rs./KG	***	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD (%)	%	65-75%	50-60%	45-55%	25-35%	5-15%
Landed price of imports (With ADD)	Rs/KG	237.70	290.48	346.29	418.33	501.79
Price Undercutting with ADD	Rs./KG	***	***	(***)	(***)	(***)
Price Undercutting with ADD (%)	%	30-40%	5-1%	(0-10)%	(10-20)%	(25-35)%
Chinese Taipei						
Landed price of imports	Rs./KG	460.72	740.61	885.75	1,013.29	644.64
Net Sales Realisation	Rs./KG	***	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD	Rs./KG	***	(***)	(***)	(***)	(***)

Price Undercutting without ADD (%)	%	0-10%	(55-65)%	(105-115)%	(125-135)%	(40-50)%
Landed price of imports (With ADD)	Rs/KG	544.96	836.25	992.24	1,121.26	759.98
Price Undercutting with ADD	Rs./KG	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Price Undercutting with ADD (%)	%	(10-20)%	(40-50)%	(50-60)%	(55-65)%	(35-45)%

76. The data indicates that the dumped imports from China PR did significantly undercut the prices of the domestic industry. But since antidumping duties were in force the duty paid imports did not have any impact on the prices of the domestic industry as it had a negative undercutting margin. The imports from Chinese Taipei did not have any undercutting effect on the selling prices of the domestic industry.

**(iii) Price underselling effects of dumped imports**

77. The landed value of the dumped imports has also been compared with the Non-injurious price determined for the domestic industry taking into account the cost of production of the domestic industry to see if the dumped imports had significant price underselling effect on the domestic prices.

Particulars	UOM	China PR	Chinese Taipei
Non Injurious Price	Rs/Kg	***	***
Non Injurious Price	US\$Kg	***	***
Landed Price of dumped imports Without ADD	US\$Kg	3.91	16.43
Landed Price of dumped imports With ADD	US\$Kg	6.78	18.18
Price Underselling without ADD	US\$Kg	***	***
	%	40-50%	(50-60)%
Price Underselling with ADD	US\$Kg	(***)	(***)
	%	(10-20)%	(50-60)%

78. The above data indicates that the dumped imports from China PR had significant underselling effect on the domestic industry's prices. However, duty paid landed values have negative price underselling effects. Imports from Chinese Taipei did not have any underselling effect on the domestic industry.

**(iv) Price suppression or depression**

79. The trends in cost and prices of the domestic industry and the landed values of imports from China as tabulated below shows that the prices of the domestic industry were not suppressed or depressed due to the price impact of imports from China PR. Imports from Chinese Taipei are at significantly higher prices.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 POI	Post POI
Cost of sales	Rs./KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	106	109	110
Selling price	Rs./KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	106	108	111
Landed price of imports	Rs/KG	99.53	133.62	171.65	241.27	312.63
Trend	Index	100	134	172	242	314

**c. Economic Parameters indicating injury to the Domestic Industry**

80. The various physical performance parameters relating to the domestic industry are as follows:

**(i) Actual and potential impact on Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales**

81. Performance of the domestic industry has been examined in respect of sales, capacity, production and capacity utilization are as under, to see if the performance of the producers was impacted by the imports from the subject countries.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI 2014-15	Post POI H1
Capacity	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	156	178	200	122
Production	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	126	147	173	82
Capacity Utilization	%	84%	68%	69%	72%	56%
Trend	Index	100	81	82	86	67
Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	129	151	173	85

82. The Authority notes that the petitioner Company came into production of the subject goods in 2010-11 with a capacity of \*\*\* MT per annum which has been consistently increased over the years to an annual capacity of \*\*\* MTs in POI. The production and sales have also more than doubled during this period. The decline in capacity utilization is because of capacity addition almost every year. Therefore, the imports do not appear to have impacted the production and sale of the domestic industry.

**(ii) Actual and potential impact on Profit/loss, return on investment and cash flow**

83. The domestic industry does not have any export of the subject goods. Financial performance of the domestic industry during the injury investigation period for the subject goods are as shown in table below.

Profit /( Loss)	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Cost of Sales	Rs./KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	106	109	110
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	106	108	111
Profit/(Loss)/Unit	Rs./KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	71	67	83	137
Profit/( Loss) - total	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	92	102	143	117
Cash Profit						
Profit/Loss	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	92	102	143	117
Depreciation	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	97	100	100	54
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***	***

Trend	Index	100	95	101	118	81
Interest	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	128	137	175	60
Profit before Interest and Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***	***

84. The data indicates that the profitability of the domestic industry has improved over the injury investigation period indicating no impact of imports on the financial performance of the domestic industry.

(iii) **Actual and potential impact on Inventories**

85. Inventories with the domestic industry have increased over the injury period. The petitioner has submitted that the inventories would have increased further, but for the decision of the petitioner to regulate the production level according to sales.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Opening stock	MT	***	***	***	***
Closing sock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	129	86	157

(iv) **Employment, Productivity and Wages**

86. Employment and wages of the petitioner have increased over the injury period as the capacities and production have also increased. Productivity in terms of productivity per day has also increased. However, productivity per employee has declined in the POI.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Employees	No	***	***	***	***
Trend	Index	100	125	150	183
Salary & Wages	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	123	134	149
Productivity per Day	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	126	147	172
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	101	98	94

(v) **Growth**

87. Information with respect to growth of various parameters indicate that the domestic industry has registered positive growth in terms of both volume and price parameters.

Growth	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	Post POI
Production	%	-	26%	17%	17%	-6%
Domestic Sales Volume	%	-	29%	17%	14%	-1%
Capacity Utilization	%	-	-16%	2%	3%	-17%
Profit	%	-	-29%	-5%	23%	65%
Cash Profit	%	-	-5%	6%	18%	36%
Return on Capital Employed	%	-	0%	-2%	2%	-0.31%

**(vi) Level of dumping & dumping margin**

88. The dumping margin of the dumped imports from China PR is not only more *than de minimis*, but also very substantial. However, the imports from Chinese Taipei are at un-dumped prices.

**K. Injury Margin**

89. The landed value of the dumped imports from the subject countries have been compared with the Non-injurious price determined for the domestic industry, as per the principles laid down in the Rules, for assessing the current level of injury margin, if any.

Particulars	UOM	China PR	Chinese Taipei
Non Injurious Price	US\$Kg	***	***
Landed Price of dumped imports	US\$/Kg	<b>3.91</b>	<b>16.43</b>
Injury Margin	US\$/Kg	***	(***)
	%	<b>40-50%</b>	<b>(50-60)%</b>

90. The above data indicates that while the imports from China PR continued to have a positive injury margin, and the selling prices of the domestic industry is below the Non-injurious price, the imports from Chinese Taipei did not have any injury margin during the period under review.

**L. Overall Assessment of Injury and Causal Link**

91. Examination of the injury parameters as above indicates that the domestic industry did not suffer any material injury during the period under examination and this fact has also been admitted by the petitioner domestic industry in its submissions though the weighted average selling prices (NSR) was marginally below the non-injurious price determined for them in case mixed yarn products. The imports from the subject countries did not have any adverse impact on the domestic industry in terms of volume and prices. Therefore, the Authority does not find any reason to analyses the mandatory non-attribution factors and examination of causal link.

**M. Likelihood of recurrence of injury**

92. Though the examinations in the previous section indicate that the petitioning domestic Industry did not suffer material injury on account of dumped imports from the subject countries, this being a sunset review of the duties in force the Rule, the authority is required to examine the likelihood of recurrence of injury in the event of expiry of the duty. The domestic industry has argued that the current price undercutting and/or the potential undercutting would indicate that the goods will cause material injury to the domestic industry if the duties are revoked. It has been argued that in a situation where there is no continued injury to the domestic industry, the same does not imply that the anti-dumping duty in force should be allowed to cease. The Rules require the Designated Authority to examine likelihood of recurrence of injury to the Domestic Industry in the event of expiry of the anti-dumping duty in force.
93. The examination of the likelihood of continuation or recurrence of dumping indicated in the previous section that there is a clear likelihood of continuation of dumping from China PR. It was also noted that though there is a miniscule import from Chinese Taipei of a high-end product type during the period of investigation, there is a possibility of higher imports taking place from Chinese Taipei in view of the capacities available in that country. In view of the above the likelihood of recurrence of injury to the domestic industry has been examined in that context.

**M.1 Views of the Domestic Industry**

94. The domestic industry has submitted that though the performance of the domestic industry has been stable or improved in respect of a number of economic parameters as a result of anti-dumping duty being in force, dumping has continued and has adversely affected the domestic industry in respect of parameters such as capacity utilization, stocks, market share, low profits, low return on investments and low cash flows from the operations as domestic industry has been forced to regulate production and is faced with rising inventories despite the same. It has been argued that despite the presence of anti-dumping duties, significant imports from China (direct as well as transshipped) are entering at dumped prices - both in cut and uncut form and volume of imports from Chinese Taipei as reported by Taiwan Customs has increased in the investigation period. The dumped imports from China are significantly undercutting the prices of the domestic industry. The landed price of imports is not only below the selling price of the domestic industry but also below cost of production and non-injurious price of the domestic industry.

95. Domestic industry further argues that both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and significant. Therefore, dumped imports would suppress the prices of the domestic industry and prevent the price increases that would occur in the absence of antidumping duty. The performance of the domestic industry deteriorated in the post POI in respect of parameters such as production, sales volume and capacity utilization despite antidumping duty being in force. It has been submitted that in spite of demand in the country being significantly beyond the capacities within the country, the domestic industry is faced with decline in capacity utilization, low and minor market-share in the Country. If the duties are revoked the market share will drop further.
96. It has been submitted that significant price undercutting by the dumped imports from China during the POI without application of anti-dumping duty implies that the domestic industry shall be forced to reduce the prices significantly in the event of cessation of anti-dumping duty. Given low level of profitability of the domestic industry, any such price reduction shall imply that the domestic industry shall suffer financial losses, negative return on investment and negative cash profits.
97. The domestic industry further argues that WTO jurisprudence of the subject requires the Designated Authority to examine likelihood of injury to the domestic industry in the event of revocation of antidumping duties even if there were no imports during the review period or the domestic industry did not suffer material injury in that period. Reference has been made to the Panel Report of the WTO in the matter of US – Sunset Review of Anti-Dumping Duties on Oil Country Tubular Goods from Argentina wherein it was held that:  
*“The state of the domestic industry as on the date of the sunset review at issue was positive did not preclude it from nevertheless finding that the US Industry is likely to be affected by the increase in the volume and the negative effect of the prices of the likely dumped imports.”*
98. It has been submitted that the above finding of the Panel was further upheld by the Appellate Body though there was not a single export of the subject goods from the subject country after the imposition of the antidumping duty. Therefore, the Designated Authority should examine the likelihood of recurrence of injury on the basis of these findings of the Panel and Appellate Body.
99. As far as Chinese Taipei is concerned, the domestic industry has argued that duty needs to be continued despite low import volumes from Chinese Taipei. It has been argued that even in the event of low volumes of imports reported during the POI of a sunset review investigation, anti-dumping duty can be continued. Domestic industry argues that there are a number of instances where foreign authorities have continued the duty in the first and subsequent sunset reviews in spite of no or low volume of imports during the review periods. It has been further argued that those decisions of different Authorities clearly show that investigating authorities globally consider only the question of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury at the time of sunset review and the duration for which antidumping duty have already been in force or the volume of imports during the review period is of little consequence/ relevance/ importance in sunset review investigations.
100. Domestic industry further argues that in the instant case, the producers and exporters in Chinese Taipei have sufficient surplus capacity to produce the subject goods and are highly export oriented. Further, export information collected from Taiwan Customs data establishes that there are significant exports of the product under consideration to third countries. Therefore, cessation of antidumping duty on imports from Chinese Taipei would result in increased importation of the product in India at dumped prices.

## **M.2 Views of other interested parties**

101. No relevant submission has been made by any other interested party and the submissions of the domestic industry with regard to likelihood of recurrence of injury has been made.

## **M.3 Post Disclosure submissions of the interested parties**

102. The domestic industry, in its post disclosure submissions has argued that the instant case being the sunset review investigation, the quantum of duty should remain same as has been recommended by the Designated Authority in the previous sunset review investigation. It has been argued that the present case is a fit case where existing anti-dumping duty should be extended further instead of modification for the following reasons:
  - In case of China, the investigation has clearly established that there is significant import of product under consideration in following three forms -(a) uncut fabric; (b) unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics and (c) transshipment from third countries. These three forms of imports have not been included for determination of the dumping margin and injury margin. Resultantly, the quantum of dumping margin and injury margin determined are not representative for the purpose of fixation of anti-dumping duties. Majority of the imports of product under consideration in China in the three of these forms. Only much smaller volume of the total imports from China (direct, and transshipment) constitutes imports of finished ready to use fabric and have been used for determination of dumping margin and injury margin. Majority of imports are either in the form of uncut fabric or unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics or transshipment from third countries. Such being the case, the quantum of dumping margin and injury margin determined by the Authority is not representative of the likely situation and therefore, it would not be

appropriate to modify the quantum of ADD in the present case. Alternatively, the authority may kindly consider all these imports and then determine dumping margin, injury margin and quantum of anti-dumping duty.

- In case of Taiwan, the investigation has shown that the volume of exports reported in Taiwan Customs is significantly higher than the volume of exports reported in Indian customs. Further, the export price reported in Taiwan customs is materially lower than the Indian price reported in Indian customs. Such being the case, it would not be appropriate to modify the quantum of Anti-dumping duty and the existing anti-dumping duty in itself may kindly be extended.
- The volume of imports from the subject country has declined to low levels because of ADD. Cessation of anti-dumping duty based on such margins will lead to recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry. The purpose of the sunset review is to consider likely situation in the event of cessation of ADD and therefore, the present prices are not reflective of likely situation.
- Imposing anti-dumping duty, on the basis of the margins determined in the previous investigation, would be more appropriate and reflective to their actual price and would be able to curb dumping.
- The Rules provide for a determination of whether the anti-dumping duties should be extended further. This implies a decision on whether or not to extend the duties further. While the Designated Authority in practice has also utilized this opportunity to modify the quantum of anti-dumping duties, such opportunity is not available where the case is based on likelihood of dumping and injury. In the present case, extension of ADD is based on the grounds of likelihood and therefore, in any case the volume and price of imports should not be benchmark for deciding on the quantum of ADD.
- The practice being followed by third countries such as Canada, US and Europe is to decide whether or not to extend the anti-dumping duties. These countries do not at all alter the quantum of anti-dumping duties even if there are significant imports in the POI and the dumping margin & injury margin is quite lower than existing anti-dumping duties.
- There is past precedence available wherein the Designated Authority has extended the same quantum of duty as has been recommended in their respective original/ previous investigations in spite of dumping margin in review cases being lower than what was been determined in the original/ previous investigations.

#### **M.4 Examination by the Authority**

103. The Authority notes that the domestic industry has not suffered deterioration in performance in respect of most of the physical and financial parameters apparently because of low volume of imports from the subject countries, particularly Chinese Taipei. The low imports are clearly because of the antidumping duty in force against these countries. The investigation also shows that imports from certain other countries have increased and these imports apparently originate from one of the subject countries i.e., China PR. This has not been refuted by any interested party, including the Government of China PR or the Govt.s of the Countries through which the goods are allegedly being transshipped. Further some quantity of uncut hook and loop tapes are also being imported from China PR. Post POI data indicates continuation of the same volume and price trend indicating that the trend is likely to continue. Therefore, once the duties are removed or expired it is likely that all such imports will start coming in directly from China PR and in finished form. Therefore, there is an imminent potential increase in volume of imports from China PR if the duties are removed or expired. At present the domestic industry and other domestic producer command less than 33% of the total domestic demand whereas the dumped imports from China PR (including alleged transshipments) accounts for over 37% of the domestic demand. If the duties are removed the share of imports from China is likely to significantly increase.
104. The price level of imports from China PR indicates that these prices, without application of antidumping duty, were undercutting and underselling the prices of the domestic industry though it did not affect the domestic industry significantly because of the antidumping duty as the duty paid landed value did not have any price undercutting or underselling effect. However, once the duties are removed the imports will have significant price undercutting and the domestic industry, which still has a low market share, will be forced to benchmark its prices with the import price. At that prices the profitability and other financial parameters of the domestic industry is likely to be significantly affected. Therefore, there is a clear and imminent likelihood of recurrence of injury if the duties on imports of the subject goods originating in or exported from China PR are removed or expired.
105. However, as far as Chinese Taipei is concerned, the imports during the POI are negligible and at high prices. These imports did not have any price undercutting or underselling effect even if antidumping duties are not taken into account. The domestic industry has not provided any positive evidence to establish that there is clear and imminent likelihood of significant increase in imports from this country except that the Taipei Customs data shows higher exports and at lower price and some spare capacities in that country. Given the fact that some capacities exist in that country which will enable higher exports of these goods to India, there is a possibility of certain increase in imports from that country and that may also include some quantities of Velcro made of polyester. However, no positive evidence has been provided by the domestic industry to establish that these goods are likely to enter the Indian market at significantly dumped prices. Even going by the Chinese Taipei Customs data the



prices are significantly higher compared to Chinese Prices and Indian Prices. The domestic industry has also not given any significant argument as to how these high priced imports of hook and loop velcro tapes made out of nylon, which has limited market in India, will significantly affect them if the duties are removed and increased imports take place. No allegation of exports through third countries (transshipment) or export of uncut hook and loop tapes have been made against this country. The post POI data in respect of Chinese Taipei do not show any significant change either in terms of volumes and prices. Therefore, the Authority is of the view that likelihood recurrence of injury on account of imports from Chinese Taipei, in the event of revocation of duty, is not clearly foreseen and imminent.

106. The domestic industry, in its post disclosure submissions, has argued that the duties imposed in the previous Sunset Review should be extended against both the countries without modification. It has been argued that in case of China, the investigation has clearly established that there is significant import of product under consideration in three forms, i.e., (a) uncut fabric; (b) unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics; and (c) transshipment from third countries.
107. The authority notes that while uncut hook and loop velcro has been treated as part of the product under consideration, unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics have not been considered as a part of the product under consideration. Further, though alleged transshipped goods have been considered for likelihood determination, this not being an anti-circumvention investigation, no determination could be made based on these transshipped goods. However, a positive determination of current dumping and injury margins have been made against imports from China based on the imports of the product under consideration during the POI which was not insignificant. In such a situation the Authority has consistently modified the duty to be imposed for the next five years. Only when there are insignificant imports during the POI of a review, which does not permit a reasonable determination of dumping and injury margin but a likelihood of recurrence of dumping and injury is established based on other factors, the Authority recommends continuation of the previous duty. As far as Chinese Taipei is concerned, in the factual matrix of the case the Authority has concluded that there is no likelihood of injury on account of exports from this country. Therefore, Authority does not find any merit in the arguments of the domestic industry to continue the previous duty without modification.

#### **N. Indian Industry's interest and other issues**

108. The purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian domestic market. In the instant case M/s Sky Industries, the original applicant in the previous cases, has gone out of production and has become an importer of the subject goods. The present applicant has established its plant in 2010-11 under antidumping duty protection and has increased its capacities. Some other units have also come up to produce the subject goods from intermediate stage. These efforts will be significantly affected if the dumped imports are allowed to continue in significant quantities which will not be in the interest of the domestic consumers as there is significant demand supply gap in the domestic market, the domestic capacities and production being less than 50% of domestic demand.

#### **O. Conclusion and Recommendations**

109. The Authority initiated and conducted this sunset review investigation in accordance with the Law and examined the current dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry and likelihood of continuation or recurrence of dumping from the subject countries and consequent injury to the domestic industry in the event of withdrawal of duty.
110. Having completed the investigation as per the relevant provisions of the Rules after providing adequate opportunity to all interested parties to defend their interests the Authority concludes:
  - (a) Dumping of the subject goods continued from China PR during the period of investigation. However, imports from Chinese Taipei was found to be not at dumped prices.
  - (b) There was no volume or price impact of the dumped imports on the domestic industry and the domestic industry did not suffer material injury during the investigation period because of the antidumping duty protection available during this period, though there were marginal deterioration in few parameters.
  - (c) There is a clear likelihood of continuation and intensification of dumping from China PR if the duties are removed and there is an imminent likelihood of recurrence of injury on account of such dumped imports, if the duties are removed.
  - (d) Though there is likelihood of increased imports from Chinese Taipei, likelihood of recurrence of dumping from that country cannot be established in the factual matrix of the evidence presented before the Authority and therefore, there is no clear and imminent likelihood of recurrence of injury on account of such imports from Chinese Taipei in the event of revocation of the duty.
111. Therefore, in the factual matrix of the case as recorded in this finding the Authority is of the view that there is a need for continued imposition of duties on the import of the subject goods originating in or exported from China

PR for a further period of 5 years. However, there is no need for continued imposition of duties on the import of the subject goods originating in or exported from Chinese Taipei.

112. Accordingly, the Authority recommends continued imposition of definitive anti-dumping duty on import of the subject goods originating in or exported from China PR equal to the lesser of the margins of dumping and injury determined in this investigation as indicated in Col No. 8 of the duty table given below for a further period of 5 years from the date of its imposition by the Central Govt. in terms of the Act and the Rules.

**Duty Table**

Sl. No.	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Countries/territories of Origin	Countries/Territories of Export	Producer	Exporter (s)	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	580610	Narrow woven fabrics Hook and Loop Velcro Tapes **	China PR	Any	Any	Any	1.87	Kg	US\$
2	580610	Narrow woven fabrics Hook and Loop Velcro Tapes **	Any	China PR	Any	Any	1.87	Kg	US\$

\*\* Including fully processed but uncut hook and loop tape fasteners. This will however, not include unprocessed, un-bonded, uncut and un-brushed narrow woven fabrics.

113. Appeal against the orders of the Central Government that may arise out of the recommendations of the Designated Authority will lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the relevant provisions of the Act.
114. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and the Rules, and Public Notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority